नई दिल्ली ■ रविवार 15 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 346 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 कर्म ही पूजा श्रम ही धर्म | 07 एरिना सबालेंका और एलेना रयबाकिना में होगा इंडियन वेल्स का खिताबी मुकाबला | तनुश्री दत्ता ने इंडस्ट्री को लेकर फिर साधा निशाना 08

बंगाल में फिर से कानून का राज कायम होगा: मोदी

कोलकाता में पीएम ने कहा- अत्याचारों के आरोपी तृणमूल नेताओं को बख्शा नहीं जाएगा

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अब राज्य के लोगों के दिलों में यह बात छप चुकी है कि बंगाल की "निर्मम सरकार" का अंत होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव का माहौल बन चुका है और इसे कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भारतीय जनता पार्टी की रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत बंगाली भाषा में लोगों का अभिवादन करते हुए की। उन्होंने कहा, "पश्चिम बंगाल के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, मैं अपने दिल की गहराइयों से आपको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड में उमड़ी विशाल भीड़ इस बात का प्रमाण है कि आज बंगाल क्या सोच रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों का उत्साह और जोश स्पष्ट रूप से दिखाता है कि राज्य में परिवर्तन की इच्छा मजबूत हो चुकी है। मोदी ने कहा कि ब्रिगेड मैदान का इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि जब-जब बंगाल ने देश को दिशा दी है, तब-तब यह मैदान बंगाल की आवाज बना है। अंग्रेजी शासन के खिलाफ इसी मैदान से उठी आवाज पूरे देश में क्रांति बन गई थी और अंततः अंग्रेजों के अत्याचार और लूट का अंत हुआ था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज एक बार फिर इसी मैदान से "नए बंगाल की क्रांति" का बिगुल बज चुका है। बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और लोगों के दिलों में भी दर्ज हो चुका है।

उन्होंने कहा कि अब बंगाल से "महाजंगलराज" का खात्मा होगा और राज्य में कानून का राज स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के हर कोने से आवाज उठ रही है- "चाई बीजेपी सरकार, अबकी बार।" प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने रैली में आने वाले लोगों को "चोर" कहकर अपमानित किया है। उन्होंने कहा कि असली चोर कौन है, यह बंगाल की जागरूक जनता अच्छी तरह जानती है। मोदी ने कहा कि अपनी सत्ता जाते हुए देखकर राज्य की सरकार बौखला गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तमाम कोशिशों के बावजूद टीएमसी सरकार लोगों को इस रैली में शामिल होने से नहीं रोक पाई। उन्होंने कहा कि बंगाल में "महाजंगलराज" लाने वालों का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और वह दिन दूर नहीं जब राज्य में फिर से कानून का राज स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि जो भी कानून तोड़ेगा या अत्याचार करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों से हिसाब लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवर्तन की यह आंधी अब रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए को "महिषासुर मर्दिनी" का आशीर्वाद प्राप्त है और वे महान विभूतियों के सपनों का बंगाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में 18,680 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत की

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में 18,680 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत की। मोदी ने 231 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले खड़गपुर-मोरग्राम आर्थिक गलियारे की आधारशिला रखी, जिससे इन दोनों स्थानों की दूरी लगभग 120 किलोमीटर कम हो जाएगी और लगभग सात से आठ घंटे का समय बचेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह सड़क खड़गपुर और सिलीगुड़ी के बीच बन रहे आर्थिक गलियारे का हिस्सा है, जो पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, हुगली, पूर्वी बर्धमान, बीरभूम और मुर्शिदाबाद जिलों से होकर गुजरेगी।

उन्होंने बताया कि यह गलियारा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-16, एनएच-19, एनएच-14 और एनएच-12 सहित प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों को एकीकृत करेगा।

भाजपा-तृणमूल कार्यकर्ताओं में झड़प, दो लोग घायल

कोलकाता। मध्य कोलकाता में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से ठीक आधे घंटे पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक पुलिस अधिकारी और भाजपा के एक नेता घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। झड़प के बीच, यह आरोप भी सामने आया कि गिरीश पार्क इलाके में पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा के आवास पर पथराव किया गया। यह झड़प रैली स्थल से लगभग पांच किलोमीटर दूर उस समय हुई जब भाजपा समर्थक प्रधानमंत्री की रैली में शामिल होने के लिए ब्रिगेड परेड मैदान की ओर जा रहे थे। ये रैली विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की राज्यव्यापी 'परिवर्तन यात्रा' के समापन का प्रतीक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के समर्थकों ने कथित तौर पर एक-दूसरे पर पत्थर फेंके और नारे लगाए, जिससे इलाके में तनाव पैदा हो गया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि रैली स्थल की ओर जाते समय उनके समर्थकों पर बिना किसी उकसावे के हमला किया गया। भाजपा के

एक कार्यकर्ता ने स्थानीय समाचार चैनल को बताया, "बिना किसी उकसावे के हम पर पत्थर फेंके गए। हमें गालियां भी दी गईं।" भाजपा ने दावा किया कि झड़प के दौरान कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और इस घटना में पार्टी नेता तमघनो घोष घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास में बोबाजार पुलिस थाना प्रभारी बप्पादित्य नस्कर भी घायल हो गए।

कांग्रेस ने असम के युवाओं को गुमराह किया: मोदी

प्रधानमंत्री ने 23,550 करोड़ के एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट समेत तीन परियोजनाओं की रखी आधारशिला

सिलचर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को असम के सिलचर में लगभग 23,550 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर समेत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी और कहा कि इन परियोजनाओं से बराक घाटी को पूर्वोत्तर भारत का बड़ा लॉजिस्टिक्स और व्यापारिक केंद्र बनने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वर्षों तक पूर्वोत्तर की उपेक्षा की और असम के युवाओं को हिंसा एवं आतंकवाद के रास्ते पर धकेला। प्रधानमंत्री ने लगभग 22,860 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 166 किलोमीटर लंबे शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड चार-लेन हाई-

स्पीड कॉरिडोर होगा। इसके पूरा होने के बाद मेघालय और असम के बीच कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा और गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का समय करीब 8.5 घंटे से घटकर लगभग 5 घंटे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल एक हाई-वे नहीं है, बल्कि दशकों से पूर्वोत्तर के लोगों के लंबे इंतजार का अंत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कॉरिडोर से सिलचर, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा जैसे राज्यों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इन राज्यों के जरिए बांग्लादेश और म्यांमार के साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इससे किसानों, उद्योगों और पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ होगा। मोदी ने सिलचर में एनएच-306 पर कैपिटल पॉइंट के पास ट्रंक रोड से रंगिरखारी पॉइंट तक बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर (चरण-1) का भी भूमि पूजन किया। इस परियोजना से शहर की व्यस्त सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और मिजोरम, त्रिपुरा तथा मणिपुर जैसे पड़ोसी राज्यों से संपर्क बेहतर होगा। यह परियोजना बराक घाटी के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने करीमगंज जिले के पथारकांडी में एक नए कृषि महाविद्यालय की आधारशिला रखी। यह संस्थान असम में कृषि शिक्षा और अनुसंधान के इको-सिस्टम को मजबूत करेगा और बराक घाटी तथा आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को अपने घर के पास ही उच्च गुणवत्ता वाली कृषि शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे कृषि आधारित स्टार्टअप और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा।

एमएसपी और किसानों के मुद्दे पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर केंद्र सरकार पर किसानों से किया गया वादा पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 2021 में किसानों से सी2+50 प्रतिशत के आधार पर कानूनी एमएसपी देने का वादा किया गया था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया।

राहुल गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लोकसभा में पूछे गए प्रश्न को साझा करते हुए सरकार से पूछा था कि क्या सरकार ने 2021 में विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों से यह वादा किया था कि सभी फसलों के लिए विधिक गारंटी वाला न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू किया जाएगा? उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया है तो सरकार द्वारा इसे लागू न कर पाने के क्या कारण हैं? साथ ही सरकार से पूछा कि क्या सरकार ने देश में उत्पादन घाटे का सामना कर रही कुछ दालों और तिलहन जैसी फसलों की सीधी खरीद पर विचार किया है और यदि किया है तो उससे संबंधित विवरण क्या है। राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह इन प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर देने से बच रही है और किसानों से किया वादा पूरा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के अधिकारों और एमएसपी व्यवस्था की रक्षा के लिए संसद के भीतर और बाहर आवाज उठाती रहेगी।

जोधपुर सेंट्रल जेल से बाहर आए सोनम वांगचुक

जोधपुर। केंद्र सरकार द्वारा हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किए जाने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को जोधपुर केंद्रीय जेल से रिहा कर दिया गया। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद, 26 सितंबर 2025 को वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। विरोध-प्रदर्शनों में 22 पुलिसकर्मियों सहित 45 से अधिक लोग घायल हो गए थे। उन्हें लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर "जनव्यवस्था बनाए रखने" के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया था और फिर जोधपुर जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। वांगचुक अधिनियम के तहत निर्धारित हिरासत अवधि का लगभग आधा समय पहले ही बिता चुके हैं। रातानाडा थाना प्रभारी दिनेश लखावत ने कहा, "केंद्र सरकार के आदेश के बाद वांगचुक को आज दोपहर करीब 1:30 बजे जेल से रिहा कर दिया गया।" वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए यहां मौजूद थीं।

एलपीजी ला रहे दो भारतीय जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार किया: सरकार

नई दिल्ली। खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे दो भारतीय जहाजों ने शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार कर लिया। इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने वाले भारतीय ध्वज वाले जहाजों की संख्या तीन हो गई है। जहाजरानी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से में बचे हुए 22 जहाज प्रतीक्षा में हैं, क्योंकि भारत सरकार उनकी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र की सरकारों के साथ बातचीत कर रही है।

जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एलपीजी ला रहे जहाज 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये जहाज 92,700 टन एलपीजी ला रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिवालिक के 16 मार्च को मुंद्रा जबकि नंदा देवी पोत के 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पर पहुंचने की संभावना है। भारतीय ध्वज वाले जहाजों की निकासी भारतीय कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने के साथ-साथ ये इस मायने में भी अहम है कि रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

भारत अपनी एलपीजी आवश्यकताओं का 60 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें से 85-90 प्रतिशत सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी देशों से प्राप्त होता है। ये देश तेल और गैस के परिवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का उपयोग करते हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण मार्च के पहले सप्ताह से यह जलडमरूमध्य प्रभावी रूप से बंद है। सिन्हा ने कहा कि पश्चिमी हिस्से में बचे भारतीय ध्वज वाले 22 जहाजों में से छह एलपीजी पोत हैं, एक द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वाहक है, चार कच्चे तेल के टैंकर हैं, एक रासायनिक उत्पादों की ढुलाई कर रहा है और तीन कंटेनर जहाज हैं और दो 'बल्क कैरियर' हैं। उन्होंने बताया कि बाकी बचे जहाजों में से एक खाली है, जिस पर कोई माल नहीं है जबकि तीन जहाज 'ड्राई डॉक' यानी नियमित रखरखाव के लिए हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेसवार्ता में कहा, "हमारे कई जहाज खाड़ी क्षेत्र में प्रतीक्षा में हैं। हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर सभी संबंधित देशों के साथ संपर्क और समन्वय बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं ताकि उनके लिए सुरक्षित एवं निर्बाध पारगमन सुनिश्चित किया जा सके।

पंजाब में भाजपा अकेले लड़ेगी विधानसभा चुनाव: अमित शाह

नशा-कर्ज-धर्म परिवर्तन पर बीजेपी ही समाधान : केंद्रीय गृह मंत्री

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब में भाजपा का चुनावी शंखनाद करते हुए साफ कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी अकेले मैदान में उतरेगी और सरकार बनाएगी। शनिवार को मोगा के गांव किल्ली चाहलां में भाजपा की पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि अब तक भाजपा पंजाब में छोटे भाई की भूमिका में रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि पार्टी खुद सरकार बनाए। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता आज भाजपा के साथ है।

पंजाब के ज्वलंत नशों के मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस व अकाली दल ने पंजाब में नशों को बढ़ावा दिया है। चार महीने में पंजाब को नशा मुक्त करने का दावा करने वाला आम आदमी पार्टी भी इस दिशा में कुछ नहीं कर पाई। पंजाब को केवल भाजपा ही नशा मुक्त राज्य बना सकती है। भाजपा ने वादे के अनुसार, कश्मीर से धारा 370 को समाप्त किया। नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है। पंजाब की सबसे बड़ी समस्या कर्ज, ड्रग्स, धर्म परिवर्तन, भ्रष्टाचार, गैंगस्टरवाद है। आज पंजाब से उद्योग पलायन कर रहे हैं। किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। युवाओं के पास अपने भविष्य को लेकर कोई विजन नहीं है। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पंजाब में 19 प्रतिशत वोट मिले थे। भाजपा को असम, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तराखंड में जब 19 प्रतिशत वोट मिले तो अगली सरकार भाजपा ने बनाई। इस बार पंजाब में सरकार बनाने का समय आ गया है। पंजाब सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आड़े हाथों लेते हुए अमित शाह ने कहा कि पंजाब में आज सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। सरकार होती तो कानून व्यवस्था ऐसी न होती, सरकार होती तो नशे का कारोबार न होता। सरकार होती तो किसानों की हालत ऐसी नहीं होती।

कांग्रेस और आप पर भाजपा का हमला

उन्होंने कहा कि पंजाब में जो भी हो रहा है, वह सरकार की नालायकी की वजह से हो रहा है। इसी मंच से एक महीना पहले AAP का दिवाला निकलते देखा था। मंच पर सीएम को जमानती की तरह लाना पड़ा। अफसरों को मंच पर लाना पड़ा। सरकार घुटने टेक चुकी है। जाखड़ ने कहा कि सरकार अफसर नहीं चलाते। जवाब आपको देना होगा। यहां के युवा दरिया की तरह है। यहां से बिजली बना लो या फिर तबाही हुई। बाढ़ से नुकसान हुआ। सरकार तो निकम्मी है। विपक्ष वाले कांग्रेस उससे भी निकम्मे हैं। उन्होंने कांग्रेस की चोरी पकड़ ली। कांग्रेस पर कांग्रेस की लीडरशिप विश्वास नहीं करती। बरनाला में इनके लीडर इन्हें जलील करके गए। कांग्रेस वाले आपस में लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे नौजवानों की पहचान थी, पंजाब के गबरू, युवाओं ने अपना नाम कमाया है। अजय बंगा वर्ल्ड बैंक के चेयरमैन है, लेकिन यहां हालत खराब है। पंजाब में काले दौर में कांग्रेस के 2 लीडरों में लड़ाई थी। उस समय 25 हजार लोगों ने जान गंवाई थी। आज पूरी कांग्रेस लड़ रही है। सुनील जाखड़ ने कहा कि केंद्र अगर हमारी बाजू पकड़ेगा, तभी पंजाब का भला हो सकता है। हम मान-सम्मान के भूखे हैं। हमें छाती से लगाओ। हमारे जवान और किसान परेशान हैं। आपने बहुत कुछ किसानों के लिए किया है। किसानों की आदमनी बढ़ाने का काम करें। लखपति किसान और करोड़पति युवा बनाएं।

मणिपुर में पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में लगातार उग्रवादियों के विरूद्ध पुलिस एवं सुरक्षा बलों का अभियान जारी है। वहीं, हथियार बरामदगी का सिलसिला भी जारी है। इसी कड़ी में विभिन्न संगठनों से जुड़े कुल उग्रवादियों को राज्य के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय से शनिवार जारी बयान में बताया गया है कि शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने थांगल बाज़ार से प्रतिबंधित संगठन केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय कैडर मोइरांगथेम हेम्बा सिंह (26) उर्फ लाइबा (पुंगदोंगबाम मयाई लेइकाई, इंफाल पूर्वी ज़िला) को गिरफ़्तार किया गया है। वहीं, मणिपुर पुलिस ने न्यू चेकॉन इलाके से यूएनएलएफ (पी) संगठन के चार सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया, जो घाटी क्षेत्र में स्थित स्कूलों और कॉलेजों से रंगदारी वसूलने में शामिल थे।

उनकी पहचान कोइजम सुंदर मैतेई (29), थांगजम सूरज सिंह (27) उर्फ लुखोई, संजरामबम रवि सिंह (30) और निंगोमबम नेपोन मैतेई (30) के रूप में की गयी है। उग्रवादियों के पास से एक 7.62 पिस्तौल, जिसमें 7 राउंड वाली एक मैगज़ीन और एक होल्स्टर, एक .32 पिस्तौल, जिसमें 10 राउंड वाली एक मैगज़ीन, एक महिंद्रा स्कॉर्पियो, 2 लाख 60 हजार रुपये की नकद राशि, छह मोबाइल हैंडसेट, दो हथियार लाइसेंस (जिनके नकली होने का संदेह है), दो वॉलेट, तीन आधार कार्ड, एक डायरी, जिसमें यूएनएलएफ (पी) संगठन के लिए स्कूलों से रंगदारी वसूलने की सूची दर्ज, आदि बरामद किया गया है। आगे की जांच जारी है।

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा बल हिंसा प्रभावित विभिन्न ज़िलों के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाए रखने के लिए लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। मणिपुर के अलग-अलग ज़िलों में, चाहे वे पहाड़ी क्षेत्र हों या घाटी, में बीते शुक्रवार को कुल 116 नाके एवं चेक पॉइंट लगाए गए थे; हालांकि, किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया।

विजय सिंह पथिक जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय राज्य मंत्री

जयंत चौधरी ने युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जुड़ने का किया आहवान

नोएडा। स्वतंत्रता सेनानी और किसान आंदोलनों के अग्रदूत रहे विजय सिंह पथिक की जयंती के अवसर पर शनिवार को अखिल भारतीय गुर्जर महासभा द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके जीवन, संघर्षों और राष्ट्र के प्रति अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी (केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल विकास एवं उद्यमिता तथा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) रहे। रामलीला मैदान, ऐच्छर-बिरोंडा में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने किसानों की एकता और विजय सिंह पथिक के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को उनके संघर्षों और विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को शिक्षा और तकनीकी से जुड़ने के लिए प्रेरित किया और कहा कि वे स्वयं भी तकनीकी के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने की, जबकि महासभा के संरक्षक डॉ. यशवीर सिंह की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का समाज की ओर से पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर, सांसद चंदन सिंह, पूर्व सांसद मलूक नागर तथा दादरी विधायक तेजपाल नागर का भी स्वागत किया गया। कार्यक्रम में महासभा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साविंदर भाटी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केपी कसाना, जयप्रकाश विकल, महासचिव रामकेश चपराना, डॉ. जिले राम, राजपाल कसाना, कालू लाल गुर्जर, पंकज रौसा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सुनील, गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष जनार्दन भाटी, नेशनल कोऑर्डिनेटर नामित भाटी सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान से आए पदाधिकारियों और समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौके पर महिलाओं ने विजय सिंह पथिक के सम्मान में गीत प्रस्तुत किए, जो कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित और समाज हित में विजय सिंह पथिक के आदर्शों पर चलने के संकल्प के साथ हुआ।

ग्रेटर नोएडा में 270 करोड़ का पानी बिल बकाया, प्राधिकरण ने दी कनेक्शन काटने की चेतावनी

ग्रेटर नोएडा। शहर के हजारों पानी उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। अगर आपने अभी तक पानी का बकाया बिल जमा नहीं किया है तो इसे 31 मार्च से पहले जमा करना जरूरी है, अन्यथा 1 अप्रैल से बकाया राशि पर पूरे वित्तीय वर्ष 2026-27 का ब्याज जोड़ दिया जाएगा। इसके साथ ही प्राधिकरण बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी भी कर रहा है, जिसमें पानी के कनेक्शन काटना भी शामिल है। जानकारी के अनुसार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में लगभग 51 हजार से अधिक पानी के कनेक्शन हैं। इनमें से 29 हजार से अधिक कनेक्शनों पर करीब 270 करोड़ रुपए का बकाया चल रहा है।

सबसे ज्यादा बकाया बिल्डर सोसाइटियों पर है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 92 बिल्डर सोसाइटियों पर लगभग 150 करोड़ रुपए का जल शुल्क बकाया है। इसके अलावा 28 हजार से अधिक आवासीय संपत्तियों, 6 आईटी इकाइयों, 321 संस्थागत इकाइयों, 763 औद्योगिक इकाइयों, 20 आवासीय समितियों और 21 व्यावसायिक संपत्तियों पर भी जल शुल्क का बकाया चल रहा है।

प्राधिकरण की ओर से कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अब तक बिल जमा नहीं किया है। हालांकि, अब तक निवासियों को असुविधा से बचाने के लिए जल विभाग ने सख्ती नहीं की थी, लेकिन अब प्राधिकरण बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई के मूड में है। अधिकारियों के मुताबिक जो उपभोक्ता 31 मार्च तक बकाया राशि जमा नहीं करेंगे, उनके पानी के कनेक्शन काटे जा सकते हैं।

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए प्राधिकरण ने ऑनलाइन बिल देखने और भुगतान करने की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई है। आवंटी प्राधिकरण की वेबसाइट पर जाकर अपना बकाया बिल देख सकते हैं और भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं की केवाईसी अपडेट है, उन्हें जल शुल्क से संबंधित जानकारी मैसेज और ई-मेल के माध्यम से भी भेजी गई है। अगर किसी उपभोक्ता को बकाया बिल या भुगतान से संबंधित कोई जानकारी चाहिए तो वे वरिष्ठ प्रबंधक (जल) के मोबाइल नंबर 9205691408 पर संपर्क कर सकते हैं। प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने कहा कि जिस तरह शहर में जलापूर्ति सुनिश्चित करना प्राधिकरण की जिम्मेदारी है, उसी तरह समय पर पानी का बिल जमा करना आवंटियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि जल शुल्क से प्राप्त राशि का उपयोग शहर के जलापूर्ति नेटवर्क को बेहतर बनाने और नई सुविधाएं विकसित करने में किया जाता है। एसीईओ ने सभी बकायेदारों से अपील की है कि वे 31 मार्च से पहले अपना बकाया जल शुल्क जमा कर दें, ताकि बाद में बढ़े हुए ब्याज या सख्त कार्रवाई से बचा जा सके और किसी भी निवासी को अनावश्यक परेशानी न हो।

गौतमबुद्धनगर न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन, उपभोक्ता फोरम के गेट का लोकार्पण

गौतमबुद्धनगर। जनपद न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अजित कुमार ने राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता फोरम में बनाए गए नए गेट का लोकार्पण भी किया। बताया गया कि न्यायमूर्ति अजित कुमार और जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव के प्रयासों से रिकॉर्ड समय में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से उपभोक्ता फोरम के नए गेट को खोलने की अनुमति प्राप्त की गई। इस गेट के शुरू होने से हजारों अधिवक्ताओं को उपभोक्ता फोरम में अपने मुकदमों की पैरवी के लिए आने-जाने में बड़ी सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और अधिवक्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव ने राया अर्बन सेंटर व हैरिटेज सिटी परियोजना का निरीक्षण, बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा जनपद मथुरा क्षेत्र में विकसित किए जा रहे राया अर्बन सेंटर व हैरिटेज सिटी परियोजना का शनिवार को उत्तर प्रदेश सरकार में अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास एवं यीडा अध्यक्ष आलोक कुमार ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों संग बैठक कर विभिन्न परियोजनाओं के लिए यथाशीघ्र भूमि का अधिग्रहण करने के निर्देश दिए।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा राया अर्बन सेंटर व हैरिटेज सिटी परियोजना मथुरा में विकसित की जा रही एक प्रमुख परियोजना है, जो 753 एकड़ में बसाई जाएगी। इसका उद्देश्य वृंदावन के पास एक विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल और आधुनिक शहर बनाना है। इस परियोजना का उद्देश्य भगवान श्री कृष्ण के ब्रज क्षेत्र की

विरासत को संरक्षित करते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना है, जिसमें बांके बिहारी मंदिर तक एक नया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे भी बनाया जाएगा। इस मामले में शनिवार को अपर मुख्य सचिव एवं यीडा अध्यक्ष आलोक कुमार यमुना प्राधिकरण द्वारा जनपद मथुरा के अंतर्गत राया अर्बन सेंटर व हैरिटेज सिटी परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने राया अर्बन सेंटर में औद्योगिक भू-उपयोग की 64 हैक्टेयर साइट एवं हैरिटेज सिटी साइट एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) द्वारा प्रस्तावित वृंदावन बायपास साइट का स्थलीय निरीक्षण किया ।

निरीक्षण के बाद अपर मुख्य सचिव द्वारा वृंदावन स्थित यमुना प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय में परियोजना के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत समीक्षा की तथा परियोजना के लिए त्वरित गति से भू अर्जन कर परियोजना का क्रियान्वयन करने को निर्देशित किया गया। बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेंद्र कुमार भाटिया द्वारा प्रस्तावित हैरिटेज सिटी परियोजना, श्री बांके बिहारी के लिए पार्किंग, प्राधिकरण की आवासीय व कमर्शियल प्रयोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया।

बैठक में प्राधिकरण के सभी वरिष्ठ अधिकारियों अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश कुमार, ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह, जीएम प्रोजेक्ट राजेन्द्र भाटी सहित परियोजना विभाग, नियोजन विभाग, विद्युत विभाग के अधिकारी शामिल रहें।

बेरोजगारों को एमएनसी में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। एमएनसी में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवकों को कॉलिंग कर ठगी करने वाले एक शातिर साइबर अपराधी को थाना साइबर क्राइम पुलिस व थाना फेस-वन पुलिस ने संयुक्त प्रयास से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त अब तक कई लोगों को ठगी का शिकार बना चुका है।

डीसीपी साइबर ने बताया कि मल्टी नेशनल कंपनियों (एमएनसी) में जॉब के नाम पर कॉल कर धोखाधड़ी से म्यूल बैंक खातों में पैसा प्राप्त कर हो रही साइबर ठगी करने वाले तथा एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों में प्रयुक्त संदिग्ध मोबाइल नंबरों की तकनीकी जाँच व लोकल इंटेलीजेंस की सूचना के आधार पर साइबर अपराधी सचिन कुमार मण्डल को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि यह साइबर अपराधी फैशन एण्ड रिटेल फर्म की आड़ में आम व्यक्तियों को स्टेप हैड कम्पनी के नाम से फोन कर मल्टीनेशनल कंपनियों में जॉब दिलाने के नाम पर ठगी करता था।

अभियुक्त को गिरफ्तार कर थाना साइबर क्राइम नोएडा में अभियोग पंजीकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है।

जनपद में गैस संकट को लेकर प्रशासन सतर्क: छापेमारी में कालाबाजारी के नहीं मिले सबूत, लेकिन उपभोक्ता परेशान

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में एलपीजी गैस सिलेंडर की कथित किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतों के बीच जिला प्रशासन ने अपनी जांच तेज कर दी है। प्रशासन का दावा है कि फिलहाल जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और जो माहौल बनाया जा रहा है, वह महज अफवाह है। हालांकि, जमीनी हकीकत इसके उलट दिख रही है, जहां गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भीड़ सिलेंडर के लिए तरस रही है।

जिलाधिकारी मेघा रूपम के निर्देशन में गठित चार संयुक्त टीमें लगातार अलग-अलग गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों पर छापेमारी कर रही हैं। इन टीमों में खाद्य और रसद विभाग, नापतोल विभाग और संबंधित तेल कंपनियों के अधिकारी शामिल हैं। शुक्रवार को तहसील दादरी क्षेत्र के अंतर्गत 14 गैस एजेंसियों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। प्रशासन का कहना है कि इन एजेंसियों पर पर्याप्त मात्रा में स्टॉक पाया गया और कालाबाजारी के कोई सबूत नहीं मिले। जनपद में कुल 65 गैस एजेंसियां हैं, जिनमें इंडियन ऑयल की 13, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम की 26-26 एजेंसियां शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और स्टॉक की नियमित जांच की जा रही है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सिलेंडर की नापतोल भी सुनिश्चित की जा रही है ताकि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

लेकिन इस जांच के दौरान भी गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी गईं। प्रवासी मजदूरों के लिए यह समस्या और विकराल हो गई है। रोजगार की तलाश में देशभर से नोएडा और ग्रेटर नोएडा आने वाले इन मजदूरों के पास अक्सर गैस कनेक्शन नहीं होते। ऐसे में वे बिना कनेक्शन के मिलने वाले एलपीजी सिलेंडर पर निर्भर रहते हैं। बाजार में इन सिलेंडरों की कमी की सूचना है, जिससे उनके सामने खाना पकाने का संकट खड़ा हो गया है।

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ आप का प्रदर्शन

गौतमबुद्धनगर। गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और गैस की कथित किल्लत के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में यह विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसके तहत कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश की आम जनता महंगाई और आर्थिक संकट से जूझ रही है। गैस सिलेंडरों की कमी के चलते लोगों को एक बार फिर लाइनों में लगने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जिलाध्यक्ष परशुराम चौधरी ने कहा कि हाल ही में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपये और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 120 रुपये की वृद्धि ने आम जनता और छोटे व्यापारियों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट और स्ट्रीट फूड से जुड़े छोटे कारोबारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और कई स्थानों से छोटे व्यवसाय बंद होने की खबरें भी सामने आ रही हैं।

एनडीआरएफ ने किया सर्च एंड रेस्क्यू अभ्यास आपदा से निपटने की तैयारियों का लिया जायजा

दादरी। एनटीपीसी दादरी के स्टेज-II सर्विस बिल्डिंग में भूकंप की संभावित स्थिति को ध्यान में रखते हुए कोलैप्स स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू (सीएसएसआर) का मोबिलाइजेशन अभ्यास आयोजित किया गया। यह अभ्यास 13 मार्च 2026 को नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) की 8वीं बटालियन, गाजियाबाद द्वारा एनटीपीसी दादरी के सहयोग से किया गया।

अभ्यास के दौरान बचाव दल ने ढही हुई इमारत में फंसे लोगों की खोज और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। टीम ने कंक्रीट और धातु संरचनाओं को काटने और हटाने की तकनीकों के साथ विशेष उपकरणों का उपयोग कर बचाव कार्य का अभ्यास किया। इस दौरान आपदा

की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की रणनीति भी प्रदर्शित की गई। अभ्यास के बाद आयोजित डी-ब्रीफिंग सत्र में मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख ए. के. मिश्र ने सभी भाग लेने वाली एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास आपदा की स्थिति में समन्वित और प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने में सहायक होते हैं। इस अवसर पर एनटीपीसी दादरी से संजय कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अभ्यास में एनडीआरएफ, एनटीपीसी, सीआईएसएफ, राज्य अग्निशमन सेवा तथा सीएचसी दादरी के कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

तरुण खटीक हत्याकांड: मां ने मांगी CBI जांच और फरार हमलावरों के एनकाउंटर का आदेश

बोली- 'योगी मॉडल' जैसा न्याय हो

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र में तरुण हत्याकांड को लेकर सर्व हिंदू समाज ने शनिवार को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मृतक के परिजनों ने कहा कि इस मामले के सभी दोषियों को सख्त सजा दी जाए। कुल 22 से 23 आरोपितों में 6 अभी भी फरार हैं। फरार आरोपितों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तर्ज पर आरोपितों की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया जाए।

सर्व हिंदू समाज और पीड़ित के परिजनों ने शनिवार को यहां प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता की। इस वार्ता में मृतक तरुण में मृतक की मां लक्ष्मी देवी, पिता मेमराज, चाचा रमेश कुमार और दादा मानसिंह के अलावा खटिक समुदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह भी मौजूद रहे। परिजनों ने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि भविष्य में कोई भी इस तरह की घटना करने की हिम्मत न कर सके। मृतक की मां लक्ष्मी देवी ने कहा कि होली के दिन एक छोटी बच्ची द्वारा खेल-खेल में रंग भरा गुब्बारा फेंका गया था, जिसके छींटे एक महिला पर पड़ गए। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ और बाद में उनके बेटे तरुण को बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला गया। उनका बेटा 26 वर्ष का था और पशु प्रेमी था। वह आसपास के आवारा कुत्तों और गायों को खाना खिलाता और पानी पिलाता था। इसी कारण कुछ लोग उससे चिढ़ते थे। उन्होंने कहा कि उनके दो बच्चे थे, जिनमें से एक को इस घटना में खो दिया। आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और उनकी संपत्तियों को ध्वस्त किया जाए।

इस मामले में शामिल सभी 22-23 आरोपितों को ऐसी सजा दी जाए कि दिल्ली में दोबारा इस तरह की घटना न हो। मृतक के पिता मेमराज ने कहा कि घटना के समय उनका बेटा घर पर नहीं था। जब गुब्बारे की घटना के बाद विवाद हुआ तो कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर मौके पर आ गए। स्थिति बिगड़ती देख परिवार के लोग घर के अंदर चले गए थे, लेकिन तरुण को इस बारे में जानकारी नहीं थी। जब वह मोटरसाइकिल से घर लौटा तो पहले से घात लगाए लोगों ने उस पर हमला कर दिया।

मेमराज ने कहा कि आरोपितों ने तरुण को लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से बुरी तरह पीटा। यहां तक कि उसकी पीठ पर पत्थर और सिलबट्टे से भी वार किया गया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां अगले दिन दोपहर करीब 12 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हमलावरों ने उनके परिवार के अन्य सदस्यों को भी बुरी तरह पीटा, जिसमें उनके भाई का सिर फट गया जिसमें 8 टांके आए और हाथ टूट गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि हमलावरों की संख्या लगभग 22 से 23 थी, जिनमें से 6 से ज्यादा अभी भी फरार हैं। पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है, लेकिन अभी भी कई आरोपित खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सभी फरार आरोपितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सर्व हिंदू समाज ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए इसे विशेष जांच दल, क्राइम ब्रांच या केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपा जाना चाहिए। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाने के लिए सक्षम और स्वतंत्र लोक अभियोजक की नियुक्ति की भी मांग की। संगठन ने कहा कि घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर और रिकॉर्डिंग को तुरंत जब्त कर जांच की जाए, ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके। कुछ लोगों द्वारा अवैध गतिविधियों और अवैध निर्माण से जुड़े मामलों की भी जांच होनी चाहिए। सर्व हिंदू समाज ने प्रशासन से यह भी मांग की कि मामले की निगरानी के लिए एक विशेष जांच समिति गठित की जाए और जांच या न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाए। यदि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो समाज के लोग आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

दिल्ली खेल महाकुंभ प्रतियोगिता नहीं, खिलाड़ियों के भविष्य को मजबूत बनाने की बड़ी योजना है : आशीष सूद

नई दिल्ली। दिल्ली खेल महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले का आयोजन शनिवार को जनकपुरी के एसकेवी विद्यालय में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद ने ग्रैंड फिनाले में पहुंचे महिला एवं पुरुष वर्ग के सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर सूद ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि दिल्ली के खिलाड़ियों के भविष्य को मजबूत बनाने की दिल्ली सरकार की एक बड़ी योजना की शुरुआत है। दिल्ली खेल महाकुंभ 2026 के अंतर्गत आयोजित वॉलीबॉल फाइनल ने हमारे युवा खिलाड़ियों के अद्भुत समर्पण, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक की भावना को प्रदर्शित किया है। कोर्ट पर टीमों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देखना बेहद प्रेरणादायक है। यह हमें याद दिलाता है कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, दृढ़ता और एकता की भावना को भी मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने के दौरान आयोजित इस खेल महाकुंभ में 23,000 से अधिक खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में भाग लेने का अवसर मिला। इस प्रकार की पहल दिल्ली के युवाओं को सशक्त बनाती हैं और दिल्ली में खेल संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में दिल्ली सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पुलिस ने लूट और गोलीबारी के मामलों में वांछित युवक को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लूट और गोलीबारी के कई मामलों में वांछित 22 वर्षीय एक कथित अपराधी को गिरफ्तार किया तथा उसके पास से एक अवैध पिस्तौल बरामद की। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जहांगीर पुरी निवासी ध्रुव उर्फ राज उर्फ तूफान को उत्तरी दिल्ली के भलस्वा डेरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। वह अलग-अलग थानों में दर्ज लूट और गोलीबारी के चार मामलों में वांछित था। यह गिरफ्तारी 13 मार्च को मिली एक सूचना के बाद की गई, जिसमें बताया गया था कि ध्रुव अपने साथियों से मिलने के लिए गोल्फ कोर्स रोड पर भलस्वा डेरी झील के पास आएगा। पुलिस दल ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक 'सेमी-ऑटोमैटिक' पिस्तौल और 7.65 मिमी कैलिबर के दो कारतूस बरामद किए। पुलिस ने उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, ध्रुव ने खुलासा किया कि वह 'एसडी ग्रुप' के नाम से जाने जाने वाले युवा अपराधियों और किशोरों के एक समूह से जुड़ा हुआ था, जो जहांगीर पुरी और भलस्वा डेरी क्षेत्रों में सक्रिय है। उसने दीपक और सलमान समेत गिरोह के अन्य सदस्यों से अपने संबंधों का भी खुलासा किया।

मानसिक सुकून पाने के लिए घर से निकली महिला, पुलिस ने खोजकर परिवार को लौटाया

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के देशबंधु गुप्ता रोड इलाके में एक महिला मानसिक सुकून और शांति पाने के लिए घर से निकल गई। उसने बैग में कपड़े पैक किए और बिना किसी को बताए घर छोड़ दिया। परेशान पति ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि महिला बस में सवार होकर जम्मू एवं कश्मीर की बस में बैठी है। टीम को फौरन कटरा भेजा गया। वहां पर महिला को माता वैष्णो देवी मंदिर के पास ट्रैक कर लिया गया। बाद में महज 39 घंटे में पुलिस ने महिला को ढूंढ निकाला। औपचारिकाताएं पूरी करने के बाद महिला को परिवार के हवाले कर दिया गया। महिला ने खुलासा किया है कि वह मानसिक व पारिवारिक परेशानियों से दिक्कत में थी। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि 9 मार्च को एक व्यक्ति ने देशबंधु गुप्ता रोड थाने में आकर पत्नी के गायब होने की शिकायत दी थी। उसने बताया कि पत्नी को उसने काफी तलाश किया, लेकिन उसका सुराग नहीं लगा। पुलिस ने छानबीन के बाद फौरन गुमशुदा रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस के अलावा सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। इस बीच पता चला कि महिला जम्मू एवं कश्मीर की बस में सवार हुई है। उसी दिन पुलिस ने एक टीम को जम्मू के लिए रवाना कर दिया।

मुख्यमंत्री ने सहीपुर गांव में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा के सहीपुर गांव चौपाल में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह आरोग्य मंदिर क्षेत्र के नागरिकों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यहां निशुल्क डॉक्टर परामर्श, आवश्यक जांच, दवाइयां, टीकाकरण और प्राथमिक उपचार, जैसी सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में शुरू किए गए 371 आयुष्मान आरोग्य मंदिर इस संकल्प को मजबूत कर रहे हैं कि स्वास्थ्य सेवाएं हर नागरिक तक सम्मान के साथ और उनके घर के पास पहुंचें। उल्लेखनीय है कि, इस आरोग्य मंदिरों पर मरीजों को मुफ्त डॉक्टर कंसल्टेशन (ओपीडी) और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। केंद्रों पर ही ब्लड टेस्ट, शुगर टेस्ट, बीपी जांच जैसी बुनियादी 14 तरह की जांचें और 79+ प्रकार की आउटसोर्स जांच की व्यवस्था है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन), और कैंसर (मुंह, स्तन, गर्भाशय ग्रीवा) की शुरुआती जांच। गर्भवती महिलाओं की देखभाल, नवजात शिशु की देखभाल और टीकाकरण सेवाएं। जरूरत पड़ने पर ई-संजीवनी के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए योग कक्षाएं और जीवनशैली परामर्श दिए जाते हैं।

दिल्ली के पूठ खुर्द में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में युवक गिफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में पुरानी रंजिश के कारण एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान पूठ खुर्द के निवासी निखिल के रूप में हुई है जिसे रोहिणी के सेक्टर-34 से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि यह मामला तब सामने आया जब आठ मार्च को बावना थाने में पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना दी गयी थी कि सुल्तानपुर डबास रोड के पूठ खुर्द में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वहां एक स्कूटी के पास गोली लगने से घायल एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला, जिसे अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी पहचान भूपेंद्र के रूप में हुई है। इसके बाद पुलिस ने इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी निखिल ने बताया कि घटना के

दिन वह अपने साथियों-- देवराज, सुमित और एक नाबालिग के साथ पूठ खुर्द स्थित राज वाटिका गया था जहां उसने और देवराज ने भूपेंद्र पर गोली चलाई थी। पुलिस के मुताबिक, देवराज और भूपेंद्र के बीच बहुत समय पहले से विवाद चल रहा था तथा यह हमला बदला लेने के लिए किया गया था। पुलिस ने बताया कि नाबालिग को हिरासत में ले लिया गया है जबकि देवराज और सुमित फिलहाल फरार हैं। पुलिस के अनुसार देवराज एवं सुमित की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि निखिल ने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और वह पूठ खुर्द गांव में पला-बढ़ा है। उसके पिता दिल्ली में मजदूरी करते हैं।

उत्तमनगर में एमसीडी ने अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया, कई भोजनालय सील

नई दिल्ली। उत्तम नगर में शनिवार को निकाय अधिकारियों ने अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया और कई भोजनालयों को सील किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की टीम ने दिल्ली पुलिस की मदद से कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच अभियान चलाया और नियमों का उल्लंघन करने वाली दुकानों को सील किया। जबकि अवैध संरचनाओं को गिराने के लिए बुलडोजर तैनात किए गए थे। इस अभियान के तहत उत्तम नगर थाना परिसर के बाहर स्थित भोजनालयों की एक श्रृंखला को निशाना बनाया गया। यह कार्रवाई जेजे कॉलोनी में परिवार और पड़ोसियों के बीच हुई झड़प में 26 वर्षीय युवक तरुण की हत्या के कुछ दिनों बाद की गई है। पुलिस के अनुसार, होली के दौरान तरुण के परिवार की एक लड़की द्वारा फेंके गए गुब्बारे का पानी पड़ोसी परिवार की महिला पर गिर गया था जिससे हिंसा भड़क गई थी। इसके बाद इलाके में तनाव फैल गया बढ़

गया और अवैध प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठी। मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार, इस कार्रवाई में नगर निगम के बुलडोजर और कई टीम शामिल थीं जिन्होंने ढांचों के अनधिकृत हिस्सों को ध्वस्त किया और अवैध रूप से संचालित हो रही दुकानों को सील किया। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी क्योंकि बड़ी संख्या में स्थानीय लोग कार्रवाई देखने के लिए घटनास्थल पर जमा हो गए थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह अभियान क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ जारी कार्रवाई का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ₹कल सुभाष नगर में लगभग दो किलोमीटर क्षेत्र को खाली कराया गया था और आज उत्तम नगर में अभियान जारी है। अधिकारी ने कहा कि निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर अन्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ भी कार्रवाई संभव है।

क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा नाइजीरियाई ड्रग तस्कर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में फरार चल रहे एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित को अदालत ने पहले ही भगोड़ा घोषित कर रखा था। पुलिस के अनुसार आरोपित पश्चिमी दिल्ली के कई इलाकों में सक्रिय होकर नशीले पदार्थों की सप्लाई करता था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शनिवार को बताया कि आरोपित की पहचान चुक्स (39) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से नाइजीरिया के अनांब्रा राज्य का रहने वाला है और फिलहाल तिलक नगर इलाके के गुरु नानक नगर, शाहपुरा में रह रहा था। पुलिस के मुताबिक वह तिलक नगर, द्वारका और नजफगढ़ इलाके में ड्रग्स की सप्लाई करता था। उसके खिलाफ चंडीगढ़ के इंडस्ट्रियल एरिया थाने में वर्ष 2021 में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित किया हुआ था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार ड्रग तस्करी पर लगाम लगाने के लिए टीम लगातार काम कर रही है।

इसी दौरान हेड कांस्टेबल संदीप कादियान को सूचना मिली कि एनडीपीएस मामले में घोषित अपराधी एक अफ्रीकी नागरिक तिलक नगर इलाके में अपने साथी से मिलने आने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तिलक नगर मेट्रो स्टेशन के पास जाल बिछाया, जैसे ही संदिग्ध व्यक्ति वहां पहुंचा और पुलिस को देखकर भागने लगा, टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसकी पहचान चुक्स के रूप में हुई, जो एनडीपीएस मामले में फरार चल रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपित वर्ष 2015 में टूरिस्ट वीजा पर भारत आया था। शुरुआत में वह तिलक नगर इलाके में कपड़ों का कारोबार करता था, लेकिन घाटा होने के बाद उसने काम बंद कर दिया। बाद में वह अपने घर से अफ्रीकी भोजन बनाकर बेचने लगा। इसी दौरान उसका संपर्क ड्रग तस्करों से हो गया और वह मादक पदार्थों की सप्लाई करने लगा।

पुलिस के मुताबिक आरोपित पहले भी हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ में एनडीपीएस एक्ट के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद उसने फिर से अवैध कारोबार शुरू कर दिया और अदालत में पेशी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलता रहा। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर नेटवर्क के अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

सीएम ने शालीमार बाग में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे कार्यों का औचक निरीक्षण भी किया और अधिकारियों को गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस काम से बरसात के समय जलभराव की समस्या कम होगी और सड़कें व आसपास का बुनियादी ढांचा भी मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने हैदरपुर मेन रोड पर (बस स्टैंड से डीए ब्लॉक, शालीमार बाग तक) स्टॉर्म वाटर ड्रेन के रीमॉडलिंग कार्य का भी उद्घाटन किया। यह काम न्यू मास्टर ड्रेन प्लान 2025 के तहत किया जा रहा है, जिसमें आरसीसी ड्रेन बनाकर इलाके की जल निकासी व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, जल निकासी व्यवस्था और जनसुविधाओं से जुड़े कई कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि रोड नंबर 319, आरयूबी शालीमार बाग, चौधरी मेहर चंद मार्ग, रोड नंबर 320 और स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती मार्ग पर भी ड्रेनेज सुधार कार्य शुरू किए गए। मुख्यमंत्री ने शालीमार चौक पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए स्लिप रोड के निर्माण और आरयूबी के आसपास यू-टर्न विकसित करने के कार्य की भी शुरुआत की। इस पहल से क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होगा और स्थानीय निवासियों तथा यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने भगवान महावीर मार्ग और के एल बग्गा मार्ग पर मौजूदा स्टॉर्म वाटर ड्रेन के रीमॉडलिंग कार्य का भी उद्घाटन किया। इस परियोजना के तहत प्रीकास्ट फैक्ट्री निर्मित आरसीसी ड्रेन का निर्माण किया जाएगा, जो न्यू मास्टर ड्रेन प्लान 2025 के अनुरूप होगा। इस कार्य से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी तथा बारिश के दौरान होने वाली समस्याओं में कमी आएगी। इन परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ ही मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग के सिंगलपुर लेबर चौक पर चल रहे सड़क चौड़ीकरण और ड्रेनेज सुधार कार्यों का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ सुदृढ़ ड्रेनेज व्यवस्था का निर्माण बेहद आवश्यक है ताकि क्षेत्र में जलभराव की समस्या से स्थायी समाधान मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के दौरान स्थानीय निवासियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए और कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के प्रत्येक क्षेत्र में सड़क, ड्रेनेज, यातायात और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली के हर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए नागरिकों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

संपादकीय

तीसरे विश्व युद्ध की दस्तक

विश्व युद्ध की आशंका इन दिनों चरम पर पहुंच गई है। मार्च के मध्य में वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य तीन प्रमुख मोर्चों पर उबाल पर है। यूक्रेन में रूस का आक्रमण, मध्य पूर्व में अमेरिका-इजराइल बनाम ईरान का सीधा युद्ध और अब दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता। पूर्व नाटो कमांडरों और भू-राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ये तीनों संघर्ष एक-दूसरे से जुड़कर दुनिया को थर्ड वर्ल्ड वार की दहलीज पर खड़ा कर रहे हैं। विशेष रूप से दक्षिण चीन सागर में हाल की घटनाओं ने जापान, वियतनाम, दक्षिण कोरिया और फिलीपींस जैसे देशों में चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी हमलों ने ईरान के खर्ग द्वीप को निशाना बनाया है। यह ईरान का प्रमुख तेल निर्यात केंद्र है। खर्ग के बंदरगाह से ही ईरान करीब नब्बे फीसदी तेल का निर्यात करता है। मौजूदा वक्त में चीन ईरान से तेल का सबसे बड़ा खरीदार है. ऐसे में खर्ग पर हमला सीधे तौर पर चीन के हितों पर हमला है। उधर जवाबी कार्रवाई में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलों की बारिश कर रहा है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया। पूर्वी यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध पांचवें साल में प्रवेश कर चुका है। रूस ने मिसाइल अभियानों को तेज किया है, जबकि अमेरिका अपनी सेना और संसाधनों का बड़ा हिस्सा ईरान मोर्चे पर स्थानांतरित कर चुका है। पंद्रह दिनों में रूस की आर्थिक ताकत बढ़ी है वहीं यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन में कमी आई है। सबसे बड़ा खतरा दक्षिण चीन सागर से जुड़ा है, जिसे तीसरा मोर्चा कहा जा रहा है। उधर, अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया और जापान के इलाकों से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स को मध्य पूर्व की ओर भेज दिया है, जिससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा खालीपन हो गया है। चीन इसे अवसर मानकर ताइवान या विवादित जल क्षेत्रों पर दबाव बढ़ा सकता है। इन सभी कारणों से जापान, वियतनाम और दक्षिण कोरिया में चिंता बढ़ गई है। विश्लेषकों के अनुसार इस वक्त दुनिया को वर्ल्ड वार की दहलीज पर पहुंचाने वाले तीन प्रमुख कारण हैं- पहला, अमेरिका-चीन का सीधा टकराव, दूसरा- नाटो का रूस के साथ युद्ध में शामिल होना, ईरान और स्ट्रेट ऑफर होर्मुज का बंद होना। वर्तमान में दुनिया एक नाजुक संतुलन पर टिकी है। अमेरिका दो मोर्चों पर फंसा है, जबकि चीन और रूस इसे अवसर के रूप में देख रहे हैं। यदि कोई छोटी सी गलती या मिसकैलकुलेशन होता है, तो क्षेत्रीय संघर्ष वैश्विक युद्ध में बदल सकता है। नार्थ कोरिया द्वारा मिसाइलों का परीक्षण भी क्षेत्रीय असंतुलन की ओर इशारा करता है। ऐसे में अगर सभी ओर जारी तनाव संघर्ष में बदलता है तो विश्व युद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता।

कर्म ही पूजा श्रम ही धर्म

कर्मा जैसी भक्ति कर, खिचड़ी खायें मुरार, छप्पन भोग को त्याग कर, आये भक्त के द्वार। माँ कर्मा रोज सुबह उठकर सबसे पहले भगवान मुरार अर्थात जगन्नाथ प्रभु के लिए खिचड़ी बनाती थी। वे इतनी भोली और भावुक भक्त थीं कि उन्हें विधि-विधान या मंत्रों का ज्ञान नहीं था। वे बस भगवान को पुकारतीं और कहतीं— प्रभु, आओ और भोग लगाओ। उनकी भक्ति इतनी भावप्रबल थी कि स्वयं भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) बालक का रूप धरकर उनके घर आते और बड़े चाव से वह खिचड़ी खाते थे। एक बार किसी विद्वान संत ने देखा कि कर्मा बाई बिना स्नान किए, बिना शुद्धता के नियमों का पालन किए ही खिचड़ी बनाकर भगवान को खिला रही हैं। उन्होंने कर्मा बाई को डांटा और कहा, अरी पगली! भगवान को ऐसे भोग नहीं लगता। पहले स्नान करो, पवित्र हो, मंत्र पढ़ो, तब भोग लगाओ। अगले दिन कर्मा बाई ने डर के मारे स्नान किया, विधि-विधान में समय लगाया और खिचड़ी बनाने में देर हो गई। उधर पुरी के मंदिर में जब भगवान के भोग का समय हुआ, तो पुजारियों ने देखा कि भगवान की मूर्ति के मुख पर खिचड़ी के कण लगे हुए हैं और भगवान के होंठों पर एक संतोष वाली मुस्कान है।

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

माँ कर्मा जयंती पर विशेष

भारतीय संस्कृति में लोकदेवियों और लोकदेवताओं का विशेष महत्व रहा है। ये केवल किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज के प्रेरणा-स्त्रोत होते हैं। ऐसी ही महान लोकदेवी हैं भक्त शिरोमणि माँ कर्मा। कर्मा बाई की जयंती चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को समूचे देश में मनाई जाती है।

कर्मा जैसी भक्ति कर, खिचड़ी खायें मुरार, छप्पन भोग को त्याग कर, आये भक्त के द्वार। माँ कर्मा रोज सुबह उठकर सबसे पहले भगवान मुरार अर्थात जगन्नाथ प्रभु के लिए खिचड़ी बनाती थी। वे इतनी भोली और भावुक भक्त थीं कि उन्हें विधि-विधान या मंत्रों का ज्ञान नहीं था। वे बस भगवान को पुकारतीं और कहतीं— प्रभु, आओ और भोग लगाओ। उनकी भक्ति इतनी भावप्रबल थी कि स्वयं भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) बालक का रूप धरकर उनके घर आते और बड़े चाव से वह खिचड़ी खाते थे। एक बार किसी विद्वान संत ने देखा कि कर्मा बाई बिना स्नान किए, बिना शुद्धता के नियमों का पालन किए ही खिचड़ी बनाकर भगवान को खिला रही हैं। उन्होंने कर्मा बाई को डांटा और कहा, अरी पगली! भगवान को ऐसे भोग नहीं लगता। पहले स्नान करो, पवित्र हो, मंत्र पढ़ो, तब भोग लगाओ।

अगले दिन कर्मा बाई ने डर के मारे स्नान किया, विधि-विधान में समय लगाया और खिचड़ी बनाने में देर हो गई। उधर पुरी के मंदिर में जब भगवान के भोग का समय हुआ, तो पुजारियों ने देखा कि भगवान की मूर्ति के मुख पर खिचड़ी के कण लगे हुए हैं और भगवान के होंठों पर एक संतोष वाली मुस्कान है। इसके बाद भगवान ने मंदिर के पुजारी को सपने में दर्शन दिए और कहा, मुझे कर्मा के प्रेम की खिचड़ी भाती है, तुम्हारे सूखे नियमों की नहीं। वह देर से आई तो मैं खुद उसके पास भोजन करने चला गया।

आज भी पूरी में होने वाली दिव्य जगन्नाथ रथ यात्रा में भगवान का रथ माँ कर्मा के मंदिर के सामने रुकता है व उनकी खिचड़ी खाकर ही आगे बढ़ता है। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया कि ईश्वर को आडंबर, वैभव नहीं, बल्कि सच्चा प्रेम और भक्ति प्रिय होते हैं। माँ कर्मा की यह कथा आज भी लोगों को यह सिखाती है कि श्रद्धा और निष्कपट भाव से किया गया छोटा-सा कार्य भी ईश्वर को प्रिय होता है। साहू / तैलिक समाज माँ कर्मा को अपनी कुलदेवी के रूप में पूजता है, परंतु उनके आदर्श समस्त हिंदू समाज के लिए समान रूप से प्रेरणादायी व पूजनीय हैं।

लोककथाओं और जनश्रुतियों के अनुसार उनका जीवन अत्यंत सरल और ईश्वर के प्रति समर्पित था। उन्होंने यह संदेश दिया कि सच्ची भक्ति केवल मंदिरों में पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह कर्म, सेवा और समाज के प्रति दायित्व निभाने में प्रकट होती है। उनके नाम में ही "कर्म" शब्द जुड़ा है, जो जीवन में सत्कर्म, श्रम व उद्यम की महत्ता का प्रतीक है।

माँ कर्मा का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि श्रम और स्वाभिमान मनुष्य के सबसे बड़े आभूषण हैं। साहू / तैलिक समाज परंपरागत रूप से परिश्रम, व्यापार और सेवा के लिए जाना जाता है।

इस समाज में एक कहावत प्रचलित है-

"तैलिक का तेल और साहू का सौदा, दोनों मेहनत से ही चमकते हैं।"

माँ कर्मा के जीवन में भी यही भाव दिखाई देता है। उन्होंने समाज को सिखाया कि कर्म ही पूजा है और श्रम ही सबसे बड़ा धर्म है। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि व्यक्ति अपने कार्य को ईमानदारी और समर्पण से करता है, तो वही उसका सबसे बड़ा साधना-पथ बन जाता है। माँ कर्मा केवल साहू समाज की देवी नहीं हैं, वे समूचे सनातनी समाज की आराध्य हैं। वे सामाजिक समरसता की भी प्रतीक हैं। उनके जीवन में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं था। यही कारण है कि उनकी जयंती केवल एक समाज का उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का पर्व बन गई है।

आज देश के विभिन्न राज्यों जैसे, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, झारखंड और महाराष्ट्र में माँ कर्मा जयंती बड़े उत्साह से मनाई जाती है। यह उत्सव केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सेवा का भी माध्यम है।

साहू समाज में एक और कहावत कही जाती है-

साहू का शुद्ध सच्चा है तौल
तब ही तो है समाज का मोल

उनकी कथा यह भी सिखाती है कि समाज की शक्ति उसकी एकता में होती है। यदि समाज के लोग आपसी सहयोग, विश्वास और परिश्रम के साथ आगे बढ़ें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। माँ कर्मा का जीवन इस सत्य का प्रतीक है कि साधारण जीवन जीते हुए भी असाधारण आदर्श स्थापित किए जा सकते हैं। माँ कर्मा जयंती केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह अपने मूल्यों और आदर्शों को स्मरण करने का अवसर है। यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में सेवा, परिश्रम और भक्ति को स्थान दें। समाज के युवा वर्ग के लिए यह अवसर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्हें अपने इतिहास और परंपराओं से जुड़ने का मौका मिलता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि माँ कर्मा के आदर्शों को केवल पूजा-अर्चना तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारा जाए। यदि हम उनके संदेश- सत्य, श्रम, भक्ति और समरसता- को अपनाएँ, तो हमारा समाज और राष्ट्र दोनों ही अधिक सशक्त और समृद्ध बन सकते हैं।

जागरूक उपभोक्ता ही है सुरक्षित बाजार की नींव

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, नाप-तोल में गड़बड़ी, मनमाने दाम वसूलना, बगैर मानक वस्तुओं की बिक्री, ठगी, सामान की बिक्री के बाद गारंटी अथवा वारंटी के बावजूद सेवा प्रदान नहीं करना इत्यादि समस्याओं से ग्राहकों का सामना अक्सर होता रहता है। ऐसी ही समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह वैश्विक पहल उत्पाद सुरक्षा, उपभोक्ता जागरूकता और मजबूत नियमों की आवश्यकता पर जोर देती है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उपभोक्ता आन्दोलन की नींव सबसे पहले 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी और 15 मार्च 1983 से यह दिवस इसी दिन निरन्तर मनाया जा रहा है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। वैसे बाजार में उपभोक्ताओं का शोषण होना कोई नई बात नहीं है बल्कि उपभोक्ताओं के शोषण की जड़ें आज बहुत गहरी हो चुकी हैं। उपभोक्ताओं को इस शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए कई कानून भी बनाए गए लेकिन जब से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अस्तित्व में आने के बाद से उपभोक्ताओं को शीघ्र, त्वरित एवं कम खर्च पर न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने वाली कम्पनियां व प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के प्रति सचेत हुए।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। ग्राहकों के साथ आए दिन होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए देश में 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान हैं। यह कानून अब साढ़े तीन दशक पुराने 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986' का स्थान ले चुका है। भारत में उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतें उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए कितना बड़ा काम कर रही हैं। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया।

ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना ही पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका एक प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है लेकिन जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो आश्चर्य होता है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

समर्पित आसक्ति ही जीवन का मूलाधार

किसी व्यक्ति विशेष या वस्तु के प्रति स्वार्थ रहित भावनात्मक समर्पण से जीवन में आनंदानुभूति होती है। साथ ही किसी व्यक्ति, वस्तु एवं कला के प्रति अनुराग तथा लगाव से मानवीय संबंध सुदृढ़ होते हैं। कतिपय विचारक आत्मा के इस लगाव को व उत्तेजना की अवस्था को एक ही मानने का भ्रम पाल लेते हैं, क्योंकि वर्तमान परिवेश में सर्वत्र उत्तेजना ही फैली हुई है। अतः यह शब्द आज सभ्यता और संस्कृति से अधिक घुल-मिल गया है, किन्तु देखा जाए तो जीवन के प्रति आसक्तिजन्य मोह हमारे पारस्परिक संबंधों से जुड़ा है, जबकि उत्तेजना तो केवल जीवन की एक क्षणिक अवस्था है। व्यक्ति की यह क्षणिक अवस्था कभी दृष्टिगत होते-होते विलीन हो जाती है। आस्था या अनुराग ऐसी मानसिक अवस्था है जो विपरीत वातावरण में भी स्थिर रहती है। प्रियजनों से आस्थामय मधुर संबंध बनाये रखना व्यक्ति की भावना पर निर्भर हैं। गहरी आस्था मोह या लगाव होने पर व्यक्ति जीवन पर्यन्त आस्थावान रहकर आराधना करता है। मनोचिकित्सकों की मान्यता है कि सच्ची आस्था होने पर कभी-कभी नहीं होती है। क्योंकि इसका अभिप्राय है व्यक्ति या पदार्थ विशेष पर समस्त भावनाओं का केंद्रीयकरण। प्रिय के प्रति पूर्ण रूप से समर्पण की भावना ही सच्ची आस्था है। बहुत से लोग तो आस्था एवं मोह की तीव्रता से भयभीत हो जाते हैं। इसकी सही अभिव्यक्ति से ही जीवन में यथार्थ आनन्दानुभूति संभव है और जीवन बनता है, उन्नत। व्यक्ति को आस्था व आकर्षण के अंतर को जानना जरूरी है। सच्ची आस्था में प्राणी अपना अहम् एवं स्वप्न खो देता है। अतः समझदार सचेत व्यक्ति अपने अस्तित्व को खोने के लिये अनुचित लगाव उत्पन्न नहीं होने देते हैं। प्रायः सभी प्रबुध्द माता-पिता अपनी कन्याओं के मन में आरम्भ से ही ऐसी आस्था पनपाने के लिये प्रयत्नशील रहते हैं कि वे अपने जीवन साथी के प्रति समर्पित भावना से आस्थावान रहें। इसीलिए भारतीय नारी जीवन में पति को परमेश्वर मान कर अपने अस्तित्व को गौण समझकर पति के प्रति पूर्णतया समर्पितत रहती हैं। भले ही उसे कितने ही कष्ट सहने पड़ें। जीवनोन्नति में सुख-दुखों का समान महत्व है, परन्तु पीड़ा कोई भोगना नहीं चाहता है। व्यक्ति आज आसक्ति के अवगुण मानकर परे रहना पसंद करता है, जबकि सच्ची आस्था व आसक्ति से अनगिनत उपलब्धियां मानव अर्जित करने में समर्थ है।

आज का इतिहास

1772 - ईस्ट इंडिया कंपनी ने जिलों में अलग दीवानी और फौजदारी अदालतों के गठन का निर्णय लिया।
1854 - ईस्ट इंडिया रेलवे ने कलकत्ता से हुगली के बीच 37 किलोमीटर की दूरी में पहली यात्री ट्रेन चलायी। हालांकि इसका आधिकारिक तौर पर उद्घाटन 1885 में किया गया।
1947 - युगवाणी (पत्रिका) - देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका। यह आरंभ एक पाक्षिक समाचार पत्र के रूप में प्रकाशित हुआ था जो कालान्तर में पहाड़ का प्रमुख साप्ताहिक समाचार पत्र बना।
1950 - भारत में 8.6 के तीव्रता वाले भूकम्प के कारण 20 से 30 हजार लोग मारे गये।
1971 - बहरीन ब्रिटेन के शासन से आजाद हुआ।
1972 - पोस्टल इंडेक्स नंबर अर्थात पिन कोड लागू किया गया।
1979 - फ़रीदाबाद - हरियाणा का 12 वाँ ज़िला बना।
1982 - राष्ट्रव्यापी रंगीन प्रसारण और टीवी के राष्ट्रीय कार्यक्रम का दिल्ली में उद्घाटन किया गया।
1990 - जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल आकाश का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया।
1907 - इंडियन बैंक - स्वदेशी आंदोलन के अंश के रूप में 15 अगस्त को इसकी स्थापना हुई।
1994 - सूडान के खार्तूम में आतंकवादी कार्लोस पकड़ा गया।
1998 - उत्तरी आयरलैंड में ओमाग द्वारा की गई बमबारी में 29 लोग मारे गये और 220 अन्य घायल हुए।
1947 - स्वतंत्रता दिवस - भारत को अंग्रेज़ों से स्वतंत्रता प्राप्त हुई। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। रक्षा वीरता पुरस्कार-परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र स्थापित किया गया।
1975 - बांग्लादेश में सैनिक क्रान्ति, मुजीबुर्रहमान की हत्या तथा खोंडेकर मुश्ताक अहमद के नेतृत्व में नयी सरकार का गठन।
2000 - उत्तर एवं दक्षिण कोरिया के बिछड़े नागरिक आपस में मिले।
2002 - संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस्लामाबाद स्थित अपने सूचना केन्द्र को बन्द किया।

विकल्पहीन मजबूरी है इच्छा मृत्यु से जीवन के अंत का फैसला

मनोज कुमार अग्रवाल

यूं तो देश की अदालतें हर साल तकरीबन सौ से अधिक मुलजिमों को फांसी की सजा सुनाती हैं तब न्याय की कुर्सी पर बैठे किसी जज को कोई ग्लानि या अफसोस नहीं होता है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक ऐसा फैसला दिया जिसे लिखते हुए उनकी आंखें सजल हो गईं क्यों कि यह फैसला एक जीवन से जंग लड़ रहे इंसान को कष्ट मुक्ति के लिए मौत की ओर सहयोग करने का है।

आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने एक अभूतपूर्व फैसले में इच्छामृत्यु को मंजूरी दी है। अदालत ने 32 साल के हरीश राणा के लिए इच्छामृत्यु की इजाजत दी। सुप्रीम कोर्ट में जब जस्टिस जे. बी. पारदीवाला यह फैसला सुना रहे थे तो इस दौरान वे बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई थी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को उनकी जीवनरक्षक चिकित्सा हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। अपना फैसला पढ़ते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और अपनी पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में मुख्य सवाल यह नहीं होता कि मरीज के लिए मौत बेहतर है या नहीं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि जीवन को बनाए रखने वाला इलाज मरीज के हित में है या नहीं। अदालत ने कहा कि हरीश राणा में सिर्फ सोने जागने के चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन वह किसी भी तरह की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे हैं। वह अपने दैनिक कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हैं। अदालत ने यह भी बताया कि हरीश को पीईजी ट्यूब के जरिए क्लिनिकली एडमिनिस्टरड न्यूट्रिशन दिया जा रहा है और इतने सालों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

जब एक इंसान का जीवन इतना कष्ट मय और लाइलाज हो जाए कि मौजूदा तमाम मेडिकल उपचार अनुपयोगी हो जाए और क्षण क्षण तड़प रही जिंदगी को कष्ट से बचाने का कोई उपाय न रहे तब जीवन से मुक्ति के लिए मौत ही एक मात्र विकल्प रह जाता है मौजूदा घटनाक्रम के अनुसार 20 अगस्त 2013 को हरीश राणा अपने छात्रावास की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उनके सिर में गहरी चोट लगी और लंबे इलाज के बावजूद वे कोमा से निकल नहीं पाए हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उनके अभिभावकों ने ही इच्छामृत्यु की प्रार्थना की थी। जिस पर दिसंबर 2025 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा की निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। तब भी अदालत ने कहा था कि हरीश पिछले 13 वर्षों से गंभीर स्थिति में हैं, और उन्हें इस हालत में जीने नहीं दिया जा सकता। हरीश राणा को ट्यबू के जरिए पोषण पहुंचाकर जिंदा तो रखा गया, लेकिन वे किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे थे और लगातार बिस्तर पर होने के कारण उनकी शारीरिक अवस्था भी सही नहीं थी। उनकी चिकित्सा रिपोर्टर्स में इन सारी तकलीफों का विस्तार से वर्णन किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नई दिल्ली में एम्स के चिकित्सकों के द्वितीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट दुखद है।

प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति बेहद दयनीय स्थिति में है। पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया है ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार को एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे।

आमतौर पर यही कहा जाता है कि जब आप किसी व्यक्ति को जीवन दे नहीं सकते, तो जीवन लेने का हक भी आपको नहीं है। कई देशों में इसी आधार पर मृत्युदंड पर भी बहस छिड़ी रहती है, क्योंकि एक बार सांसों की डोर टूट गई, तो फिर उसे जोड़ने का कोई उपाय नहीं है। लेकिन अगर व्यक्ति जिंदा होकर भी किसी मृतप्राय व्यक्ति की तरह हो जाए, जिसके लिए कोई इलाज कारगर न साबित हो, जो असहनीय तकलीफों से गुजरे तो क्या उसे इच्छामृत्यु की इजाजत दी जा सकती है। तब क्या इसे हत्या या आत्महत्या या मृत्युदंड से अलग न्यायोचित ठहराया जा सकता है। ऐसे कई सवाल इच्छामृत्यु के फैसले पर उठते रहे हैं।

बुधवार को आए इस फैसले के बाद सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी राइट टू डाई विद डिग्निटी जैसे अहम सवाल पर नयी चर्चा शुरु हो सकती है। दरअसल भारत में ऐसा ही एक मामला 1973 में आया था, जब मुंबई के केईएम अस्पताल के वार्डबॉय सोहनलाल वाल्मीकि ने नर्स अरुणा शानबाग के साथ बेरहमी से यौन उत्पीड़न किया और गला दबाया था, जिससे वे स्थायी रूप से कोमा में चली गई थी। उनके माता-पिता नहीं थे और इस घटना के बाद परिजनों ने भी उनका त्याग कर दिया था। मगर अस्पताल की साथी नर्सों ने उन्हें कोमा में होने के बावजूद जीवित रखने की पूरी कोशिश की। 2009 में पत्रकार पिंकी विरानी ने उनकी दर्दनाक हालत को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में इच्छा मृत्यु की याचिका दायर की थी, अदालत ने 7 मार्च 2011 को याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उनका इलाज करने वाली नर्सें और डॉक्टर उन्हें जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध थे। हालांकि, कोर्ट ने पैसिव यूथेनेशिया लाइफ सपोर्ट हटाना को अनुमति दी, जिसमें कहा गया कि जब तक मरीज की हालत सुधरने की उम्मीद न हो, तब तक यह लिया जा सकता है। इसके बाद 18 मई 2015 को निमोनिया के कारण अरुणा शानबाग का निधन हो गया। हालांकि 42 वर्ष तक कोमा में रहने का कष्ट उन्होंने सहा है।

इस मामले ने भारत में गरिमापूर्ण मृत्यु से संबद्ध कानून की एक नई पहल हुई है अरुणा शानबाग मामले के बाद इच्छामृत्यु पर स्पष्ट कानून की जरूरत महसूस की जाने लगी। इसी मुद्दे को लेकर कॉमन कॉज़ नाम के एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 9 मार्च 2018 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (2018) सुप्रीम कोर्ट का एक ऐतिहासिक फैसला था, जिसने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी। इसके अलावा अदालत ने लिविंग विल का अधिकार दिया। इसका मतलब है कि कोई व्यक्ति पहले से लिखकर यह तय कर सकता है कि अगर वह भविष्य में ऐसी स्थिति में पहुंच जाए जहां वह खुद निर्णय लेने की स्थिति में न हो, तो उसे कृत्रिम लाइफ सपोर्ट पर न रखा जाए। हालांकि, कॉमन कॉज़ मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु कब लागू की जा सकती है, इस पर दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से निर्धारित और स्पष्ट नहीं किया जा सका। मगर अब हरीश राणा के मामले में इस फैसले को आधार माना गया है।उस परिवार और माता-पिता की पीड़ा को समझना कितना दुखद है जो एक दुखद अनहोनी के बाद अपनी ही युवा संतान के लिए मौत की भीख मांगने के लिए मजबूर हुए हैं ईश्वर ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति न हो।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

मुख्यमंत्री शर्मा ने अल्बर्ट हॉल से प्रदेशव्यापी स्वच्छता संकल्प अभियान का किया शुभारंभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अल्बर्ट हॉल म्यूजियम से प्रदेशव्यापी स्वच्छता संकल्प एवं जन-जागरण अभियान का शुभारंभ किया। राज्य स्तरीय आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा प्रदेशवासियों से स्वच्छ एवं स्वस्थ राजस्थान के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नगर निगम के सफाईकर्मियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) वितरित किए। साथ ही उन्होंने प्राइम मिनिस्टर स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर स्वनिधि के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रतीकात्मक धनादेश भी प्रदान किए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को मुख्यमंत्री ने स्वच्छता को नागरिक कर्तव्य के रूप में अपनाने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने रामनिवास गार्डन में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, विधायक गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, स्वच्छता दूत केके गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, बड़ी संख्या में सफाईकर्मी तथा आमजन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर इस वर्ष भी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर 19 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया जाएगा। इसी क्रम में 14 मार्च से 19 मार्च तक प्रदेशभर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा जन-जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

नशे पर नकेल के लिए हर जिले में बनेगा टास्क फोर्स : योगेंद्र महतो

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 14वें दिन शनिवार को राज्य में बढ़ते ड्रग्स कारोबार और युवाओं में फैलती नशे की लत का मुद्दा जोर-शोर से उठा। बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी ने सदन में हजारीबाग, रामगढ़, पतरातू, बड़कागांव और केरेडारी क्षेत्रों में तेजी से फैल रहे अवैध ड्रग्स कारोबार को लेकर सरकार से जवाब मांगा और इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि इन क्षेत्रों में 'सफेद जहर' के नाम से पहचाने जाने वाले नशीले पदार्थ, विशेष रूप से हीरोइन और ब्राउन शुगर का अवैध कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस कारण युवाओं में नशे की लत तेजी से बढ़ रही है, जिससे सामाजिक और आपराधिक गतिविधियों में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। उन्होंने इसे क्षेत्र के लिए गंभीर और चिंताजनक स्थिति बताया।

चौधरी ने सदन में उपलब्ध आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच राज्य में एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 2396 मामले दर्ज किए गए थे। वहीं वर्ष 2023 से 2026 के बीच जिलावार मामलों में और बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हाल के दिनों में हजारीबाग और आसपास के थाना क्षेत्रों में करोड़ों रुपये के ड्रग्स बरामद होने की घटनाओं ने राज्य में ड्रग माफियाओं की सक्रियता और गहरी पैठ की ओर संकेत किया है।

उन्होंने सरकार से पूछा कि ड्रग माफियाओं के खिलाफ क्या कोई विशेष अभियान चलाने की योजना है। साथ ही उन्होंने राज्य में नशे के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स के गठन और व्यापक एंटी-नारकोटिक्स अभियान शुरू करने का सुझाव भी दिया।

इस पर जवाब देते हुए मंत्री योगेंद्र महतो ने कहा कि राज्य सरकार नशे के अवैध कारोबार पर सख्ती से लगाम लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सरकार की योजना है कि हर जिले में विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाए और ड्रग्स तस्करी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जाए, ताकि इस पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। सदन में एक अन्य मुद्दे पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने झारखंड राज्य फार्मेसी परिषद में रजिस्ट्रार की नियुक्ति से जुड़े विवाद की जांच कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह मामला विधायक सरयू राय ने उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशांत कुमार पांडेय को केवल छह महीने के लिए रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया था, लेकिन वह अभी तक उसी पद पर बने हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और डिप्टी सीएम देवड़ा पहुंचे बैतूल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की पुत्री के निधन पर जताई संवेदना

बैतूल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को बैतूल पहुंचे और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पुत्री सुरभि खंडेलवाल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से बैतूल पहुंचे और गंज स्थित खंडेलवाल निवास जाकर परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वे सुरभि के निधन पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करने आए हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत खंडेलवाल ने अपनी पुत्री की पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा की। सुरभि बचपन से ही स्वास्थ्य संबंधी कष्टों से जूझ रही थीं, लेकिन किसी भी परिवार के सदस्य के बिछड़ने का दुख अत्यंत पीड़ादायक होता है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि बाबा महाकाल दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें। इससे पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और मंत्री कृष्णा गौर भी बैतूल पहुंचे। उपमुख्यमंत्री देवड़ा सड़क मार्ग से बैतूल पहुंचे और गंज स्थित खंडेलवाल निवास जाकर परिवार से मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी। सुरभि खंडेलवाल के निधन के बाद से बैतूल में प्रदेशभर के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं का खंडेलवाल निवास पर पहुंचने का सिलसिला जारी है। शनिवार को भी प्रदेश सरकार के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी वहां पहुंचे और दिवंगत सुरभि को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

खेल अधोसंरचना के विकास से निखर रही प्रदेश की प्रतिभाएँ : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज शनिवार को नवा रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित एक गरिमामय समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी को टाटा सिएरा कार उपहार स्वरूप प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आकांक्षा को बधाई देते हुए कहा कि हमारी बेटियों ने विश्व कप जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए टाटा मोटर्स द्वारा कार उपहार देने की इस पहल की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना के निरंतर विकास से प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे प्रयासों के माध्यम से प्रदेश के सुदूर अंचलों के युवा भी खेलों से जुड़ रहे हैं। वहीं नेशनल ट्राइबल गेम्स की मेजबानी प्रदेश को मिलने से भी राज्य में खेलों के लिए सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि पिछली मुलाकात के दौरान भी आकांक्षा का आत्मविश्वास और ऊर्जा बेहद प्रेरणादायक थी और आज भी उनमें वही उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यही जज्बा भविष्य में होने वाले विश्व कप में भी टीम को सफलता दिलाएगा। इस अवसर पर भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, आकांक्षा के परिजन तथा टाटा मोटर्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री का स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा हौसला बढ़ाता है : आकांक्षा सत्यवंशी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने कहा कि विश्व कप जीतकर लौटने के बाद सबसे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूरी टीम का उत्साहवर्धन किया और प्रदेश की बेटी के नाते उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री का यह स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा उनका मनोबल बढ़ाता है। आकांक्षा ने कहा कि आज मुख्यमंत्री से यह सम्मान प्राप्त कर उनका दिन यादगार बन गया है और यह पल उनके जीवन में हमेशा विशेष रहेगा। उन्होंने फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में टीम में अपनी भूमिका तथा विश्व कप जीत की यात्रा से जुड़े अनुभव भी साझा किए।

उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में टाटा मोटर्स द्वारा टाटा सिएरा एसयूवी कार उपहार स्वरूप प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ की निवासी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी को भी आज टाटा सिएरा कार भेंट की गई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीतकर इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के सम्मान में टाटा मोटर्स ने टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को सिएरा एसयूवी के टॉप-एंड मॉडल भेंट करने की घोषणा की थी।

छत्तीसगढ़ के सर्राफा कारोबारी का हवाई यात्रा के दौरान लगेज से सोने का नेकलेस गायब

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी सराफा कारोबारी का हवाई यात्रा के दौरान लगेज से सोने का नेकलेस गायब हो गया। पीड़ित सराफा कारोबारी की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली से रायपुर के लिए कनेक्टिंग एयर इंडिया की फ्लाइट से हवाई यात्रा के दौरान बुक किए गए लगेज से सोने का नेकलेस गायब हो गया। हालांकि पुलिस ने अभी शिकायतकर्ता का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। सराफा कारोबारी अपने परिवार के साथ 12 मार्च 2026 के आसपास जोधपुर से दिल्ली होते हुए रायपुर पहुंचा था। रायपुर के माना थाना में इस चोरी की लिखित शिकायत 13 मार्च 2026 को दर्ज कराई थी। वे अपने परिवार के साथ राजस्थान के जोधपुर से एयर इंडिया की फ्लाइट के जरिए दिल्ली पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने दिल्ली से रायपुर के लिए कनेक्टिंग एयर इंडिया की फ्लाइट ली। यात्रा के दौरान उनका ट्रॉली बैग विमान में बुक लगेज के रूप में भेजा गया था। बताया जा रहा है कि सूटकेस को सबसे पहले जोधपुर एयरपोर्ट पर लगेज के रूप में जमा किया गया था। इसके बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर भी उसे दोबारा बुक लगेज के रूप में भेजा गया। बताया गया कि रायपुर पहुंचने के बाद जब कारोबारी परिवार ने ट्रॉली बैग का ताला खोलकर सामान की जांच की, तो उसमें रखा सोने का नेकलेस गायब मिला। कीमती जेवर नहीं मिलने पर परिवार के लोग हैरान रह गए। घटना की जानकारी मिलते ही कारोबारी ने तुरंत इसकी लिखित शिकायत माना थाना में दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने आशंका जताई है कि यात्रा के दौरान किसी ने लगेज से नेकलेस निकाल लिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए रायपुर की माना थाना पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि रायपुर पुलिस ,जोधपुर और दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों के संपर्क में है ताकि उन विशिष्ट समय अंतरालों के सीसीटीवी फुटेज प्राप्त किए जा सकें, जब यह बैग ट्रांजिट में था। पुलिस अब जोधपुर, दिल्ली और रायपुर तीनों हवाई अड्डों के फुटेज की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि जेवर कहाँ से गायब हुए। चूंकि ट्रॉली बैग को जोधपुर में जमा किया गया और दिल्ली में फिर से चेक-इन (कनेक्टिंग फ्लाइट के कारण) किया गया, इसलिए पुलिस उन सभी कर्मचारियों और लोडिंग स्टाफ की भूमिका की जांच कर रही है जिनके पास लगेज की एक्सेस थी। साथ ही संबंधित एयरलाइन से भी जानकारी ली जा रही है।

महाराष्ट्र: पिंपरी चिंचवड में ईंटों से बने ढांचे के ढह जाने से दंपति की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी चिंचवड शहर में एक निर्माण स्थल पर ईंट से बने ढांचे के ढह जाने के बाद उसकी चपेट में आकर वहां काम कर रहे एक दंपति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यहां एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब साढ़े चार बजे तलवाडे इलाके में एक खुले भूखंड पर यह घटना हुई। इस इलाके में भूमिगत टैंक स्थापित किए जाने के मकसद से एक गड्ढे पर ईंटों से ढांचे का निर्माण किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि भूखंड के मालिक ने भूमिगत टैंक के लिए गड्ढा खोदने का ठेका एक कंपनी को दिया था और ठेकेदार काम के लिए मजदूरों को लाया था। मजदूरों द्वारा गड्ढे के अंदर ईंटों की मदद से ढांचा बनाते समय अचानक एक जेसीबी मशीन के चलने से ढांचा उन पर गिर गया, जिससे मजदूर उसके नीचे दब गए।

रायपुर : नवागढ़ की प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार सजग

रायपुर। संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने कोंडागांव जिले के नवागढ़ क्षेत्र में प्राप्त प्राचीन पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में त्वरित संज्ञान लिया है। मंत्री अग्रवाल ने पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय को निर्देशित किया है कि, नवागढ़ क्षेत्र में उपलब्ध प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य पुरातात्विक अवशेषों का विशेषज्ञ दल के माध्यम से शीघ्र स्थल निरीक्षण एवं विस्तृत सर्वेक्षण कराया जाए।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि, नवागढ़ क्षेत्र में 5वीं-6वीं शताब्दी ईस्वी से संबंधित प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य अवशेषों की जानकारी सामने आने के बाद इस स्थल का वैज्ञानिक अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो गया है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विशेषज्ञ दल द्वारा क्षेत्र में उपलब्ध सभी प्रतिमाओं, स्थापत्य अवशेषों, शिल्प कलाकृतियों और संभावित पुरातात्विक स्थलों का सूक्ष्म अध्ययन किया जाए तथा उनका विस्तृत दस्तावेजीकरण भी किया जाए, ताकि इन धरोहरों के ऐतिहासिक महत्व का समुचित आकलन किया जा सके। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि, सर्वेक्षण और स्थल निरीक्षण से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यकतानुसार इन पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। यदि स्थल का ऐतिहासिक महत्व प्रमाणित होता है, तो उसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ की धरती प्राचीन सभ्यताओं, स्थापत्य कला और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से परिपूर्ण रही है। प्रदेश के अनेक अंचलों में ऐसे महत्वपूर्ण स्थल हैं, जिनका व्यवस्थित अध्ययन और संरक्षण किए जाने की आवश्यकता है। राज्य सरकार इन धरोहरों की पहचान, संरक्षण और उनके वैज्ञानिक अध्ययन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

भाजपा नेता पद्मजा ने कांग्रेस नेता के. सुधाकरन को अपनी पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

त्रिशूर। केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता पद्मजा वेणुगोपाल ने शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कन्नूर से सांसद के. सुधाकरन को पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण दिया। यह निमंत्रण उन अटकलों के मद्देनजर दिया गया है जिनमें कहा गया है कि सुधाकरन अपनी पार्टी के उस फैसले से नाखुश हैं जिसमें मौजूदा सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. करुणाकरण की बेटी वेणुगोपाल स्वयं कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस जिस तरह से सुधाकरन के साथ व्यवहार कर रही है, उससे उन्हें ''आश्चर्य नहीं'' हुआ, ठीक उसी तरह जैसे पार्टी ने उन्हें ''किनारा कर दिया'' था। उन्होंने यह भी कहा कि सुधाकरन जैसे व्यक्ति का भाजपा में शामिल होना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता जहां भी जाएंगे, उन्हें आगामी चुनावों में चुनाव लड़ने के लिए सीट मिलेगी। भाजपा नेता ने यहां एक टीवी चैनल को बताया, ''उन्हें कभी भी समर्थन की कमी नहीं होगी।'' उनकी यह टिप्पणी उन अटकलों के बाद आई है जिनमें कहा जा रहा है कि कांग्रेस की केरल इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. सुधाकरन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के उस फैसले से खुश नहीं हैं, जिसमें मौजूदा सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई है। वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनावों में त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी, क्योंकि भाजपा में होने से उन्हें जीत का अधिक भरोसा मिला है। उन्होंने कहा कि उन्हें त्रिशूर में पार्टी के सभी वोट मिलने का पूरा भरोसा है, यह आत्मविश्वास उन्हें कांग्रेस में रहते हुए नहीं था। वेणुगोपाल ने कहा, ''मुझे त्रिशूर से जीतने का पूरा भरोसा है क्योंकि मुझे यहां की जनता पर विश्वास है और साथ ही भाजपा हमेशा अपनी पार्टी की जीत को लेकर चिंतित रहती है, न कि इस बात को लेकर कि कौन चुनाव लड़ रहा है। इसलिए, वह अपने उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करेगी। यह मेरे लिए बहुत बड़ी राहत की बात है।

तमिलनाडु में गैस सिलेंडर की कमी पर सियासत तेज, द्रमुक गठबंधन का आज राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन

चेन्नई। तमिलनाडु में रसोई गैस सिलेंडर की कथित कमी को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन ने केंद्र सरकार के खिलाफ रविवार (15 मार्च) को पूरे राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। गठबंधन का आरोप है कि केंद्र सरकार की नीतियों और गलत विदेश नीति के कारण घरेलू तथा व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। गठबंधन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि गैस की कमी का असर केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव होटल, रेस्तरां और छोटे-मझोले उद्योगों पर भी पड़ रहा है। यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं हुई तो कई छोटे व्यवसायों के बंद होने का खतरा पैदा हो सकता है, जिससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। गठबंधन ने यह भी बताया कि इस मुद्दे को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर चुके हैं। हालांकि, गठबंधन का कहना है कि अब तक केंद्र की ओर से न तो लोगों में फैली चिंता को दूर करने के लिए कोई स्पष्ट कदम उठाया गया है और न ही संसद में इस विषय पर चर्चा कराने की पहल की गई है। द्रमुक नेतृत्व वाले गठबंधन ने केंद्र सरकार पर तमिलनाडु के साथ भेदभाव करने का आरोप भी लगाया है। बयान में कहा गया है कि गैस की कमी के अलावा भी कई महत्वपूर्ण मामलों में केंद्र सरकार राज्य के प्रति उदासीन रवैया अपना रही है। इसमें शिक्षा से जुड़े फंड को रोकना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मिलने वाली राशि में देरी, पेयजल पाइपलाइन परियोजनाओं के लिए धन जारी न करना और मदुरै तथा कोयंबटूर मेट्रो रेल परियोजनाओं में अड़चनें पैदा करना जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा गठबंधन ने होसुर हवाईअड्डा परियोजना में देरी और तीन-भाषा नीति के नाम पर तमिल भाषा की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया है। गठबंधन का कहना है कि इन सभी मुद्दों को लेकर केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश बढ़ रहा है। घोषणा के अनुसार, रविवार 15 मार्च को सुबह 10:30 बजे तमिलनाडु के सभी जिलों में यूनियन, नगर, क्षेत्र और पंचायत स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। इन प्रदर्शनों में द्रमुक और सहयोगी दलों के सांसद, विधायक, जिला और यूनियन स्तर के पदाधिकारी, शाखा सचिव, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम लोग शामिल होंगे। गठबंधन ने अपने जिला सचिवों को निर्देश दिया है कि वे प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जनता का विरोध मजबूती से दर्ज कराया जा सके।

उत्तर प्रदेश में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी पर कार्रवाई, 1483 स्थानों पर निरीक्षण व छापेमारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों का अनुपालन करते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग जिला प्रशासन के साथ मिलकर पूरे प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति व्यवस्था की लगातार निगरानी कर रहा है और निरीक्षण एवं छापेमारी कर रहा है ताकि कहीं भी कोई कमी या अनियमितता न हो। इस संबंध में उप्र के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी जिलाधिकारियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सिलेंडर की उपलब्धता बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश जारी किए हैं।

उत्तर प्रदेश में कालाबाजारी के विरुद्ध तीव्र एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। उप्र सरकार ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि इस अभियान के तहत, जिला स्तर पर कई प्रवर्तन टीम ने शुक्रवार को कुल 1,483 स्थानों पर निरीक्षण और छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान एलपीजी वितरकों के खिलाफ चार प्राथमिकी दर्ज की गईं, जबकि एलपीजी गैस की कालाबाजारी में शामिल अन्य व्यक्तियों के खिलाफ 20 प्राथमिकी दर्ज की गईं। मौके से छह लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा शुरू किया गया है। राज्य में कार्यरत 4,108 एलपीजी गैस वितरकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनकी बुकिंग के अनुसार खाली सिलेंडर के बदले भरे हुए सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। बयान में कहा गया है कि वितरकों के पास एलपीजी सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आवश्यकतानुसार घरेलू एलपीजी रिफिल की आपूर्ति की जा रही है।

भारत सरकार ने वाणिज्यिक सिलेंडरों के लिए कुल खपत का 20 प्रतिशत तक आवंटन की अनुमति दी है, ताकि होटल, रेस्तरां और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को गैस आपूर्ति अप्रभावित रहे। आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी और किसी भी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए, पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए खाद्य आयुक्त के कार्यालय में 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। वहां खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को तैनात किया गया है।

राज्य भर के सभी जिलों में नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किए गए हैं। उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला आपूर्ति कार्यालय और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि सरकार का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के हर हिस्से में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति निर्बाध रहे और आम जनता को कोई असुविधा नहीं हो।

गैस सिलेंडर आपूर्ति को लेकर अफवाह गांधी और अफवाह यादव कर रहें दुष्प्रचार : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का शनिवार को प्रयागराज आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस लाइन हेलीपैड पर और सर्किट हाउस में स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गैस सिलेंडर आपूर्ति को लेकर अफवाह गांधी और अफवाह यादव सिर्फ दुष्प्रचार कर रहे हैं और अपनी घटिया राजनीति की पराकाष्ठा पर उतारू हैं और जनता के अंदर भ्रम फैला रहे हैं। जिससे जनता परेशान हो रही है।

उन्होंने कहा कि इस वैश्विक सकंट की घड़ी में इन्हें विपक्ष का धर्म निभाना चाहिए था और जनता के साथ और देश के साथ खडा होना चाहिए था और ये लोग उल्टा दुष्प्रचार कर रहे हैं। आने वाले समय में अफवाह फ़ैलाने वाले इन दोनों नेताओं का हम बाजा बजा देंगे। जबकि जो वास्तव में अब तक प्रति दिन 55 लाख सिलेंडरों की बुकिंग होती थी और अब 75 लाख सिलेंडरों की प्रतिदिन बुकिंग हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इजरायल और ईरान के द्वारा खाड़ी देशों में युद्ध के इस वैश्विक संकट के घड़ी में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में हमारी विदेश नीति इतनी सफल है जिसके कारण ईरान से भारत में क्रूड ऑयल हो या गैस हो जो सफलता पूर्वक आ रहा है।

उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में भी भारत का झंडा बुलंद है और रहेगा। उन्होंने चुनाव को लेकर कहा कि देश के अंदर कोई भी सकंट नहीं है और न होगा। भारतीय जनता पार्टी बड़ी मजबूती के साथ पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आगामी जिला पंचायत चुनाव और 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश की विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है और विरोधियों को हराकर प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीतने जा रही है।

उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने दी। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगा पार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुना पार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, उत्तर मौर्य, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईद से पहले मेरठ में सख्ती: 100 लोगों को 'रेड कार्ड' नोटिस की तैयारी माहौल बिगाड़ने पर कड़ी कार्रवाई

मेरठ। ईद के मद्देनजर मेरठ पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे करीब 100 लोगों को चिन्हित किया है, जिन्हें जल्द ही 'रेड कार्ड' नोटिस भेजने की तैयारी की जा रही है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों पर पहले भी उपद्रव या त्योहारों के दौरान तनाव की स्थिति पैदा करने के आरोप में मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अविनाश पांडे ने शनिवार को बताया कि ईद पर शांतिपूर्ण माहौल कायम रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने सभी इस्लामी धर्मगुरुओं और मस्जिद प्रबंधन समितियों से समन्वय स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि जिले की 544 मस्जिदों और 146 ईदगाहों के प्रबंधन से अधिकारियों ने बातचीत की है और सभी ने आश्वासन दिया है कि किसी भी परिस्थिति में सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एसएसपी ने कुछ मीडिया संस्थानों में प्रसारित उन खबरों का भी खंडन किया, जिनमें उनके हवाले से सड़कों पर नमाज पढ़ने या नियमों का उल्लंघन करने वालों के पासपोर्ट निरस्त करने की बात कही गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन की ओर से ऐसा कोई नया निर्देश जारी नहीं किया गया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई व्यक्ति कानून का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई जरूर की जाएगी।

वहीं नगर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस ने पिछले पांच वर्षों के रिकॉर्ड की समीक्षा करके ऐसे लोगों की पहचान की है, जो त्योहारों के दौरान विवाद या तनाव की स्थिति उत्पन्न करने में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे करीब 100 लोगों को 'रेड कार्ड' नोटिस जारी किए जाएंगे। रेड कार्ड नोटिस के तहत किसी व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर गिरफ्तार किया जा सकता है।

अधिकारी ने कहा कि इसमें किसी भी धर्म के लोग शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि नोटिस में चेतावनी दी जाएगी कि यदि ईद के आसपास किसी भी प्रकार से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करके सख्त कार्रवाई की जाएगी। सिंह ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत भी कदम उठाए जा सकते हैं। पुलिस के अनुसार पिछले वर्ष ईद के दौरान रेलवे रोड थाना क्षेत्र में बैरिकेड तोड़ने और सड़कों पर नमाज अदा करने को लेकर पुलिस से धक्का-मुक्की की घटना सामने आई थी।

संक्षिप्त खबरें

सेवानिवृत्त शिक्षक के घर और खेत से 40 किलो अफीम बरामद

मीरजापुर। कछवा थाना क्षेत्र स्थित गोधना गांव में शनिवार को पुलिस और राजस्व टीम ने सयुंक्त कार्रवाई करते हुए सेवानिवृत्त शिक्षक के घर और खेत में छापा मारा। यहां से टीम को 40 किलो से अधिक अवैध अफीम बरामद हुई है। कछवा थानाध्यक्ष अमरजीत चौहान ने बताया कि गोधना गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक महेंद्र मास्टर अपने तीनों बेटों के साथ मिलकर अवैध रूप से अफीम की खेती और तस्करी का धंधा चला रहे थे। बाहरी तौर पर परिवार की छवि सामान्य व्यापारी की बनाई गई थी। लोगों को भ्रमित करने के लिए बेटों से कॉस्मेटिक, किराना और ब्यूटी पार्लर की दुकानें खुलवा रखी थीं, लेकिन इन दुकानों की आड़ में मादक पदार्थों का अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा था। इस सूचना के बाद पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से सेवानिवृत्त शिक्षक के घर और खेत पर छापेमारी की। जांच के दौरान खेत से बड़ी मात्रा में अफीम बरामद हुई। जिस खेत से अफीम के पौधे मिले हैं, वहां पहले भी कई बार अफीम की खेती कर उसकी बिक्री की जा चुकी है। इस कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग की ओर से नायब तहसीलदार, कानूनगो और कई लेखपाल मौजूद रहे। थानाध्यक्ष का कहना है कि पुलिस अब बरामद अफीम की कीमत और इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

अंडों पर छपाई अनिवार्य, नियमों का सख्ती से होगा पालन

प्रयागराज। मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक अप्रैल से अंडों पर अनिवार्य रूप से छपाई (मार्किंग) किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में एपीसी की अध्यक्षता में हुई बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यह जानकारी शनिवार को प्रयागराज मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बैठक में तय किया गया कि अंडों की पहचान और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उन पर संबंधित जानकारी की छपाई अनिवार्य की जाएगी। इसके लिए मुर्गी पालकों और लेयर फार्म संचालकों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि सभी लोग समय रहते इस व्यवस्था को अपनाएं। उन्होंने बताया कि अंडे सीधे मानव स्वास्थ्य से जुड़े उत्पाद हैं, इसलिए उनकी गुणवत्ता और ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से अंडों पर छपाई की व्यवस्था लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से इस नियम का सख्ती से पालन कराया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मुर्गी पालकों और लेयर फार्म मालिकों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि सभी लोग निर्धारित मानकों का पालन कर सकें।

कुशीनगर में मोटरसाइकिल खड़ी करने के विवाद में युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

कुशीनगर। कुशीनगर में बाजार जा रहे एक युवक की कुछ लोगों ने लाठी डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी और पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना की वजह बीते दिनों मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। घटना शुक्रवार की रात साढ़े सात बजे बोदरवार बाजार में हुई।

पुलिस के अनुसार कप्तानगंज थाना के बोदरवार बाजार के 30 वर्षीय गोविंद साहनी घटना के समय घर से कुछ दूरी पर लगने वाले बाजार में सब्जी लेने जा रहे थे। परिजनों के अनुसार बाजार के ही दलित बस्ती निवासी सुभाष व उसके घर के लोग गोविंद को रास्ते में रोक लाठी से पीटने लगे। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी परिजन को दी। मां सुभद्रा भाग कर मौके पर पहुंची तो गोविंद खून से लथपथ व अचेत पड़े थे। परिजन आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज ले गए, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने गोविंद को मृत घोषित कर दिया।

इस संबंध में थाना प्रभारी दीपक सिंह ने बताया कि वह पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। परिजन व लोगों से घटना की जानकारी ली। आरोपियों की तलाश में जगह-जगह छापेमारी शुरू की गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों के अनुसार 15 दिन पूर्व ही सुभाष व गोविंद के बीच मोटरसाइकिल खड़ी करने को लेकर विवाद हुआ था। तब सुभाष ने गोविंद को अपशब्द कहते हुए जान की धमकी दी थी।

एक व्यक्ति का शव नहर में मिला

सुल्तानपुर। जिले के शिवगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह एक व्यक्ति का शव नहर में मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। ग्रामीणों ने नहर में एक व्यक्ति का शव दिखने पर इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने नहर से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। शिवगढ़ के थाना प्रभारी शिवगढ़ चंद्रभान वर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान समर बहादुर (55) के रूप में हुई है जो भरखरे का निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी ऋतिक कपूर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस की नीतियों के कारण बसपा का गठन करना पड़ा : मायावती

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि यदि कांग्रेस बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और कांशीराम के मिशन के प्रति समर्पित होकर संविधान के पवित्र समतामूलक और कल्याणकारी उदृेश्य को जमीन पर उतारने का कार्य अगर सही नीयत व नीति से करती तो कांशीराम जी को कभी बसपा की स्थापना की जरूरत नहीं पड़ती।

बसपा प्रमुख ने शनिवार को एक बयान में कहा कि केंद्र की सत्ता में काफी समय रहते हुए कांग्रेस ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया गया। कांशीराम के निधन पर तत्कालीन केंद्र की कांग्रेस सरकार ने राष्ट्रीय शोक व सपा सरकार ने एक दिन का भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया। इसके अलावा इन महापुरुषों के नाम बनाए गए शिक्षण, मेडिकल संस्थानों व जिलों के नाम भी बदले गए। पदोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था को जारी रखने के संबंधी के बिल को संसद में क्यो फाड़ा गया ? बसपा प्रमुख ने कहा कि इसी प्रकार दूसरी पार्टियों के हाथों में खेल कर दलित समाज के बने अनेकों संगठन व पार्टियां आदि भी इनके नाम को भुनाने की कोशिश में हमेशा लगी रहती हैं। अब ये सभी पार्टियां आए दिन किस्म- किस्म के हथकण्डे इस्तेमाल करके बसपा को कमजोर करने में लगी हैं।

बसपा प्रमुख ने बहुजन समाज के लोगों से अपील की है कि सुन सबकी लो, लेकिन अपनी एकता व अपने वोटों की शक्ति को किसी भी हाल में वोट के इन सौदागरों के हाथों में मत जाने दो, यही डॉ. भीमराव आंबेडकर और कांशीराम के जीवन संघर्ष के पति सच्ची श्रद्धांजलि है। मायावती ने आगामी 15 मार्च को कांशीराम की जयंती पर पूरे देश में आयोजित कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील बसपा कार्यकर्ताओं से की है।

खड़े ट्रक में जा घुसी डबल डेकर बस, एक की मौत, 15 यात्री घायल

कानपुर नगर। पनकी थाना क्षेत्र अंतर्गत इटावा-कानपुर हाईवे पर शनिवार को इस्पात नगर के सामने पुल के ऊपर नासिक से आ रही एक डबल डेकर टूरिस्ट बस सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर के बाद बस में फंसे कई यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए।

इनमें चार की हालत गंभीर है। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन पनकी से दमकल वाहन और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू किया। रेस्क्यू कार्य के लिए फायर स्टेशन फजलगंज से रेस्क्यू एंबुलेंस भी मौके पर बुलाई गई। दमकल कर्मियों ने बस की खिड़कियां तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। यह टूरिस्ट बस महाराष्ट्र के नासिक से चलकर अयोध्या होते हुए नेपाल जा रही थी। बस में कुल 57 यात्री सवार थे। हादसे में 15 यात्री घायल हो गए, जिनमें चार की हालत गंभीर बनी है। एक यात्री अति गंभीर रूप से घायल था, जिसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उपायुक्त पश्चिम एस.एम. कासिम आबिदी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बस में फंसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गयी।

प्रेमिका से शादी करने की जिद में अड़ा युवक टॉवर पर चढ़ा

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर क्षेत्र अन्तर्गत एक युवक टॉवर पर चढ़ गया। यह देख ग्रामीण हैरान रह गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे समझा बुझाकर नीचे उतारा है। युवक ने प्रेमिका से शादी करने की जिद पूरी न होने कारण यह कदम उठाया है। गांव नगला मवासी निवासी राहुल गांव बिल्टीगढ़ स्थित टॉवर पर चढ़ गया। युवक ने टॉवर पर चढ़ने के बाद खुद ही डायल 112 पर पुलिस को इसकी सूचना दी। इधर, युवक को टॉवर पर चढ़ा देख ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने टॉवर पर चढ़ने का प्रयास किया तो युवक कूदने की धमकी देने लगा। युवक का कहना था कि वह अपनी प्रेमिका से शादी करना चाहता है। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से युवक को किसी तरह समझा बुझाकर टॉवर से नीचे उतारा। जिसके बाद पुलिस और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

मस्जिद में नमाजियों की संख्या सीमित करने पर जिलाधिकारी को उच्च न्यायालय ने फटकार लगायी

प्रयागराज। मस्जिद में नमाजियों की संख्या सीमित करने के सवाल पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि यदि पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को लगता है कि नमाजियों की संख्या अधिक होने से कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है इसलिए वे उनकी संख्या सीमित करना चाहते हैं तो उन्हें या तो इस्तीफा दे देना चाहिए या संभल जिले से स्थानांतरण करा लेना चाहिए क्योंकि वे कानून का राज स्थापित करने में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं हैं।

न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की पीठ ने कहा, "यह सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है कि प्रत्येक समुदाय निर्धारित उपासना स्थल पर शांतिपूर्वक उपासना कर पाये और यदि वह निजी संपत्ति हो तो उपासना के लिए सरकार से कोई अनुमति लेनी आवश्यक नहीं है।" उच्च न्यायालय ने 27 फरवरी को अपने निर्णय में कहा, "यह अदालत पहले से व्यवस्था दे चुकी है कि यदि धार्मिक कार्यक्रम सार्वजनिक भूमि या स्थान पर किया जाता है जिसमें सरकारी तंत्र को शामिल करना आवश्यक है तो इसके लिए सरकार से अनुमति लेनी आवश्यक है।" उच्च न्यायालय ने संभल के मुनाजिर खान नामक एक व्यक्ति की याचिका पर यह आदेश दिया। खान ने आरोप लगाया है कि गाटा संख्या 291 पर जहां एक मस्जिद मौजूद है, रमजान के दौरान उसे नमाज अदा करने से रोका गया।

दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश सरकार के वकील ने गाटा संख्या 291 के स्वामित्व पर यह कहते हुए विवाद खड़ा किया कि उक्त गाटा राजस्व रिकॉर्ड में सुखी सिंह के बेटों- मोहन सिंह और भूराज सिंह के नाम है लेकिन वहां 20 नमाजियों को नमाज अदा करने की अनुमति दी गई। याचिकाकर्ता ने कहा कि रमजान का महीना होने के चलते बड़ी संख्या में नमाजी वहां नमाज अदा करने आ सकते थे। इस पर राज्य सरकार के वकील ने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए नमाजियों की संख्या सीमित करने का आदेश जारी किया गया। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई की तिथि 16 मार्च तय की।

चौकी के पास बाइक सवार बदमाशों ने उड़ाया बैग, महिला की मौत

उरई। जिले में थाना कुठौंद क्षेत्र की शंकरपुर पुलिस चौकी के पास दिनदहाड़े हुई लूट की एक सनसनीखेज घटना ने तब दुखद मोड़ ले लिया, जब लूट के दौरान गंभीर रूप से घायल महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस चौकी की नाक के नीचे हुई इस वारदात ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सिरसा कलार थाना क्षेत्र के मड़िया गांव निवासी तेज सिंह गुरुवार को पत्नी 35 वर्षीय रचना देवी के साथ बाइक से कन्नौज जिले के तिर्वा स्थित ससुराल जा रहे थे।

रास्ते में दंपति ने सिरसा कलार में कुछ खरीदारी की थी। इसके बाद वे आगे बढ़े ही थे कि कुठौंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत शंकरपुर चौकी के पास धराना स्थित भीमसेन मंदिर के पास पीछे से आए एक बाइक सवार बदमाश ने रचना देवी के हाथ से बैग छीन लिया। बदमाश ने बैग झपटने के कारण रचना देवी अचानक संतुलन खो बैठीं और सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश बैग लेकर फरार हो गया। परिजनों के अनुसार, बैग में लगभग 20 हजार रुपये नकद, एक कमर पेटी व कानों के टप्स रखे थे।

आसपास के लोगों ने तत्काल डायल 112 पर सूचना देकर घायल महिला को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए औरैया जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां भी स्थिति में सुधार न होने पर उन्हें कानपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार की देर रात महिला ने अंतिम सांस ली। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रचना देवी अपने पीछे तीन मासूम बच्चों - 11 वर्षीय शोभित, 9 वर्षीय वंश और 5 वर्षीय अभि को छोड़ गई हैं। इस घटना ने पुलिस चौकी के पास सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद आक्रोशित लोगों ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन टीमों का गठन किया है। टीमें आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं और फरार बदमाश की तलाश में जुट गई हैं। अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भारत-नेपाल मैत्री होली मिलन समारोह में सनातन संस्कृति और आपसी सद्भाव का संदेश

बलरामपुर। भारत-नेपाल मैत्रीय समिति के तत्वावधान में शनिवार को भारत-नेपाल मैत्रीय होली मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारत-नेपाल की रोटी बेटी के संबंधों को दर्शाते हुए आपसी सद्भाव का संदेश दिया गया। कार्यक्रम नगर तुलसीपुर स्थित मधुरिमा मिलन हॉल में बड़े उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में नेपाल से बड़ी संख्या में व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों देशों को जोड़ने वाली सबसे बड़ी शक्ति सनातन संस्कृति है। सनातन धर्म की परंपराएं, पर्व-त्योहार और आध्यात्मिक मूल्य भारत और नेपाल के लोगों को एक सूत्र में बांधते हैं। होली जैसे पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम में वृंदावन से आए कलाकारों ने भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम के दौरान फूलों की होली खेली गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण हो उठा। समारोह में भारत और नेपाल के बीच मित्रता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की अनूठी झलक भी देखने को मिली।

कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारियों ने नेपाल से आए अतिथियों का अंगवस्त्र भेंट कर तथा माल्यार्पण कर स्वागत किया। वहीं नेपाल से आए प्रतिनिधियों ने भारतीय अतिथियों को रुद्राक्ष की माला पहनाकर सम्मानित किया। यह दृश्य भारत-नेपाल की आत्मीयता और सनातन परंपरा के प्रति साझा आस्था का प्रतीक बना। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा नेता विशाल मिश्रा, विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, एनएमओ के जिलाध्यक्ष राधेश्याम वर्मा तथा नेपाल से आए देउखुरी उद्योग वाणिज्य संघ लमही, दांग (नेपाल) के अध्यक्ष कमल जंग सिंह ठकुरी, केशवराज पोखरेल, महिला उपाध्यक्ष शारदा सुबेदी, महासचिव हरि थापा, बसन्त कुमार भण्डारी, सचिव गणेश घिमिरे, लुमाकान्त बोहरा, अनिल कुमार मन्त्री, शान्ता खनाल, भिष्मराज गैरे, बाबूराम भुसाल, नारायण, व्यापारी पिन्टु गुप्ता, शिवु खनाल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार ने सभी अतिथियों, नेपाल से आए प्रतिनिधियों और उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारत और नेपाल के बीच मैत्री, सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों को और मजबूत करने का कार्य करते हैं।

नमन अवॉर्ड्स-2026 में रोजर बिन्नी, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

रोजर बिन्नी का शानदार योगदान ▸▸ राहुल द्रविड़ का महान करियर और कोचिंग योगदान ▸▸ मिताली राज को महिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित नमन अवॉर्ड्स-2026 समारोह में भारतीय क्रिकेट की कई महान हस्तियों और मौजूदा खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को बीसीसीआई का सर्वोच्च सम्मान कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी मिताली राज को बीसीसीआई महिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

रोजर बिन्नी भारतीय क्रिकेट इतिहास के उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने देश को गौरव दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 1983 क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली ऐतिहासिक भारतीय टीम के सदस्य रहे थे। अपनी स्विंग गेंदबाजी के लिए मशहूर बिन्नी ने उस विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया था। इसके अलावा वह 1985 वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे। खिलाड़ी के रूप में करियर समाप्त होने के बाद भी उन्होंने क्रिकेट से जुड़ाव बनाए रखा और वर्ष 2000 में उन्होंने कोच के रूप में भारत की अंडर-19 टीम को आईसीसी अंडर19 क्रिकेट विश्व कप 2000 जिताया। बाद में वह 2012 से 2016 तक राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य रहे और वर्ष 2022 से 2025 तक बीसीसीआई के 36वें अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में गिने जाने वाले राहुल द्रविड़ को भी उनके असाधारण योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा जाएगा। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्होंने 24,000 से अधिक रन बनाकर भारतीय बल्लेबाजी को लंबे समय तक मजबूती दी। संन्यास के बाद उन्होंने कोच और मार्गदर्शक के रूप में भी भारतीय क्रिकेट को नई दिशा दी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख रहते हुए उन्होंने युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में भारत की अंडर-19 टीम ने आईसीसी अंडर19 क्रिकेट विश्व कप 2018 जीता। इसके बाद भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में उन्होंने टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आईसीसी विजेता भारतीय टीमों का भी होगा सम्मान

नमन अवॉर्ड्स 2026 का एक बड़ा आकर्षण उन पांच भारतीय टीमों का सम्मान होगा, जिन्होंने हाल के वर्षों में आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं। इसमें पुरुष सीनियर टीम (आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी-2025 और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप-2026), महिला सीनियर टीम (आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप-2025), पुरुष अंडर-19 टीम (आईसीसी अंडर-19 विश्व कप-2026) और महिला अंडर-19 टीम (आईसीसी महिला अंडर-19 विश्व कप-2025) शामिल हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट की महान बल्लेबाज मिताली राज को महिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। दो दशक से अधिक लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन और नेतृत्व से महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाई। मिताली राज महिला वनडे क्रिकेट में 7805 रन बनाकर दुनिया की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम दो बार आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के फाइनल तक पहुंची, जिससे भारत में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता काफी बढ़ी।

नमन अवॉर्ड्स-2026 में वर्ष 2024-25 सत्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को दूसरी बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड (सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर) दिया जाएगा, जबकि स्मृति मंधाना को पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का पुरस्कार मिलेगा। घरेलू क्रिकेट में मुंबई की इरा जाधव को जगमोहन डालमिया ट्रॉफी (सर्वश्रेष्ठ महिला घरेलू क्रिकेटर) और हरियाणा की शेफाली वर्मा को सीनियर महिला घरेलू एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान दिया जाएगा। वहीं मुंबई के आयुष म्हात्रे और विदर्भ के हर्ष दुबे को लाला अमरनाथ अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। नमन अवॉर्ड्स भारतीय क्रिकेट की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाने के साथ-साथ उन खिलाड़ियों और टीमों के योगदान को सम्मानित करता है जिन्होंने इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महिला एशियाई कप चीन ने ताइवान को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

पर्थ। मौजूदा चैंपियन चीन ने शनिवार को ताइवान को 2-0 से हराकर 2027 विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने के साथ महिला एशियाई कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। चीन और ताइवान के बीच भू-राजनीतिक तनाव है और दोनों के बीच 90 मिनट तक कोई गोल नहीं हुआ। इसके बाद अतिरिक्त समय के तीसरे ही मिनट में शाओ जिकिन ने गोल करके मैच का पहला गोल किया और फिर आखिर में एक आत्मघाती गोल से चीन का दूसरा गोल हुआ। वहीं शुक्रवार को हुए मुकाबले में सैम केर ने एक गोल किया और एक गोल में मदद की जिससे ऑस्ट्रेलिया ने उत्तर कोरिया को 2-1 से हराकर विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली। दक्षिण कोरिया शनिवार को एक अन्य क्वार्टरफाइनल में उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा जबकि रविवार को जापान का सामना फिलीपींस से होगा। महिला एशियाई कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम स्वतः ही अगले साल ब्राजील में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर भारत फाइनल में, इंग्लैंड से होगा सामना

हैदराबाद। भारत ने मनीषा चौहान के तीसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से शुक्रवार को यहां एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में इटली को 1-0 से हराया, जिससे अब खिताब के लिए उसका सामना इंग्लैंड से होगा। मिडफील्डर मनीषा ने तीसरे क्वार्टर के 40वें मिनट में निर्णायक गोल किया।

भारत इस साल 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप में पहले ही जगह बना चुका है। भारत ने जोरदार शुरुआत की, लेकिन इटली ने तुरंत जवाब दिया और आक्रामक हमले किए। हालांकि भारत ने दूसरे क्वार्टर में लय हासिल कर ली। 18वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन नवनीत कौर के

शॉट को इटली की गोलकीपर लूसिया इनेस कारुसो ने रोक दिया। मेजबान टीम को 27वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान सलीमा टेटे के शॉट को इटली की डिफेंडर ने रोक दिया, जिससे गोल नहीं हो सका।

29वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने का एक और मौका मिला, लेकिन नवनीत का शॉट चूक गया। दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में इटली ने जोरदार हमला किया, लेकिन भारत की गोलकीपर बीचू देवी खारिबाम ने इसका बचाव किया। भारत को 40वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार टीम ने इसे गोल में बदल दिया। मनीषा ने एक जबरदस्त ड्रैग फ्लिक मारी, जो इटली के डिफेंस को भेदते हुए नेट में चली गई। भारत ने आखिरी क्वार्टर में अपनी बढ़त बढ़ाने के लिए दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन इटली ने मजबूत डिफेंस के साथ उन्हें रोक लिया।

इटली ने मैच के आखिरी मिनटों में अपना सब कुछ झोंक दिया और 59वें मिनट में एक अहम पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वह बराबरी का गोल करने से चूक गया। इससे पहले इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में स्कॉटलैंड को 2-0 से हराया। इसमें लोटी बिंगहैम (25वां मिनट) और ड्रूसी बॉर्न (29वां मिनट) ने गोल दागकर टीम को फाइनल में पहुंचाया।

भांबरी और गोरानसन का सफर सेमीफाइनल में थमा

इंडियन वेल्स। भारत के युकी भांबरी और स्वीडन के उनके साथी आंद्रे गोरानसन का कैलिफोर्निया में खेले जा रहे इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार अभियान सेमीफाइनल में हारने के साथ समाप्त हो गया। भांबरी और गोरानसन की गैरवरीय जोड़ी फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच और मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट से हार गई। यह एक कड़ा मुकाबला था जिसका फैसला टाईब्रेकर से हुआ। भांबरी और गोरानसन पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए। उन्होंने दूसरे सेट में बेहतर खेल दिखाया और टाईब्रेकर में जीत दर्ज करके मुकाबला को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया। लेकिन निर्णायक टाईब्रेकर में रिंडरकनेच और वाचेरोट ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल कर ली। इस मैच में हार के बावजूद इस टूर्नामेंट में 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

एरिना सबालेंका और एलेना रयबाकिना में होगा इंडियन वेल्स का खिताबी मुकाबला

इंडियन वेल्स। दो बार उपविजेता रह चुकीं एरिना सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर चार साल में तीसरी बार इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। बेलारूस की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने शुक्रवार रात बीएनपी पारिबास ओपन में नोस्कोवा को एक घंटे 28 मिनट में हराया।

रविवार को फाइनल में उनका मुकाबला कजाकिस्तान की तीसरे नंबर की खिलाड़ी एलेना रयबाकिना से होगा। रयबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में यूक्रेन की नौवें नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया। सबालेंका को 2026 में एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में रयबाकिना से मिली थी। सबालेंका निश्चित रूप से उस हार का बदला लेने के साथ इंडियन वेल्स के फाइनल में अपने 0-2 के रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगी। सबालेंका ने कहा, "मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मैं रविवार को पूरी तरह से तैयार रहूं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी और यह

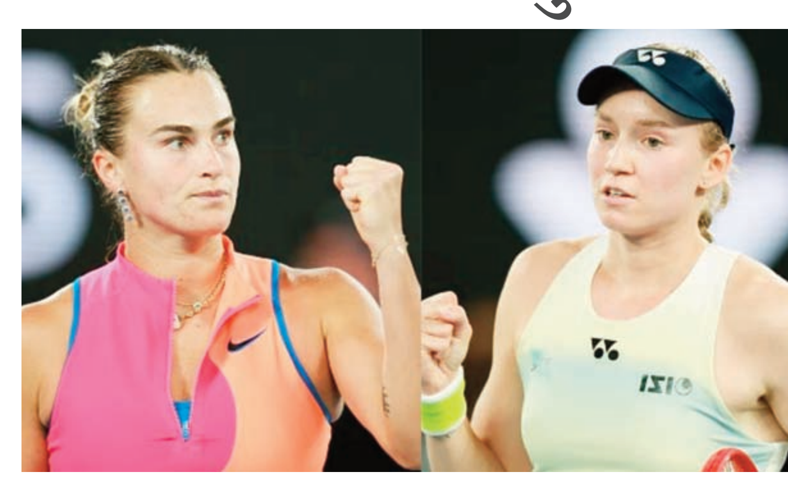

सुनिश्चित करने की कोशिश करुंगी कि इस साल मेरा दबदबा रहे।" सबालेंका ने शुक्रवार को जीत हासिल करके 2026 में अपना रिकॉर्ड 12-1 कर लिया। उन्होंने लगातार छठी बार किसी डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले उन्हें आखिरी हार पिछले साल अगस्त में सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टरफाइनल में रयबाकिना से ही मिली थी।

आरबीआई ने मनाप्पुरम फाइनेंस पर लगाया 2.70 लाख रुपये का जुर्माना

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मनाप्पुरम फाइनेंस पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कुछ नियामकीय नियमों का पालन न करने की कमियों के लिए ये कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि निर्देशों का पालन न करने और उससे जुड़े पत्राचार की जांच के नतीजों के आधार पर कंपनी को एक नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में कंपनी से पूछा गया कि उसने निर्देशों का पालन क्यों नहीं किया और इस असफलता के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। नोटिस पर कंपनी के जवाब और मौखिक दलीलों पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने पाया कि मनाप्पुरम फाइनेंस ने कुछ प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों को पूरा वेरिएबल वेतन बिना किसी देरी के पहले ही दे दिया था। हालांकि आरबीआई ने यह भी कहा कि यह जुर्माना नियामकीय नियमों के पालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है और इसका उद्देश्य कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेन-देन या समझौते की वैधता पर कोई फैसला देना नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मौद्रिक जुर्माना लगाने का मतलब यह नहीं है कि रिजर्व बैंक कंपनी के खिलाफ कोई अन्य कार्रवाई नहीं कर सकता।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने डब्ल्यूसीएल में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने नागपुर में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) की अपनी दो-दिवसीय यात्रा के दौरान कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को डब्ल्यूसीएल की यात्रा के दौरान वर्चुअल माध्यम से महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

उन्होंने डब्ल्यूसीएल की एक समीक्षा बैठक का संचालन किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, पर्यावरणीय पहलों को बढ़ावा देना और खनन कार्यों का आधुनिकीकरण करना है। मंत्रालय के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने आभासी माध्यम से 25 इलेक्ट्रिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेड्डी ने नागपुर के कामठी क्षेत्र में 'ब्लैक डायमंड

स्पोर्ट्स स्टेडियम', वानी क्षेत्र के ताडाली में 'स्वामी विवेकानंद इको पार्क' और बल्लारपुर क्षेत्र के सास्ती ओपन कास्ट खदान में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजना की आधारशिला भी आभासी रूप से रखी। ये परियोजनाएं क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास, पर्यावरण संरक्षण और खनन कार्यों के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देंगी। रेड्डी ने इस दौरान कोयला उत्पादन, सुरक्षा, सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की परियोजनाओं से संबंधित डब्ल्यूसीएल के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में रेड्डी ने टीम डब्ल्यूसीएल की कार्य संस्कृति और प्रदर्शन की सराहना करते हुए चालू वित्त वर्ष में बेहतर परिणामों की उम्मीद जताई। समीक्षा बैठक के दौरान डब्ल्यूसीएल के सीएमडी हरीश दुहान ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान डब्ल्यूसीएल की उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सनोज कुमार झा, कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष बी. साईराम और कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड और डब्ल्यूसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। कोयला मंत्री आज मुरपार भूमिगत खदान का दौरा करेंगे और चल रही खदान बंद करने की प्रक्रिया का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वे जिला कलेक्टर और खदान बंद करने संबंधी सलाहकार समिति के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में डब्ल्यूसीएल के खदान बंद करने संबंधी नोडल अधिकारी, गैर-सरकारी संगठन, सलाहकार और स्थानीय गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

बंगाल: आपूर्ति बाधित होने की खबरों के बीच एलपीजी वितरण केंद्रों पर लगी लंबी कतारें

कोलकाता। पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर आपूर्ति बाधित होने की खबरों के बीच पश्चिम बंगाल के कोलकाता और कई जिलों में एलपीजी वितरण केंद्रों पर शनिवार को लोगों की लंबी कतारें देखी गईं। सुबह से ही कोलकाता, दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना जिलों में कई स्थानों पर एलपीजी वितरण केंद्रों के बाहर लोगों की भारी भीड़ नजर आई। अधिकारियों ने कहा कि इस बीच, एलपीजी सिलेंडरों की कथित जमाखोरी और हेराफेरी को रोकने के लिए अधिकारियों ने राज्य भर में निरीक्षण तेज कर दिया है। उन्होंने बताया कि कोलकाता पुलिस की प्रवर्तन शाखा जिला अधिकारियों के साथ मिलकर पिछले दो दिनों से कई वितरण केंद्रों और गोदामों पर छापेमारी कर रही है।

अधिकारियों ने कहा कि कोलकाता में ईबी की टीम ने भंडारण की स्थिति को सत्यापित करने के लिए लेक गार्डन और जोधपुर पार्क सहित कम से कम 25 केंद्रों का निरीक्षण किया। हुगली और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों में भी इसी तरह के निरीक्षण किए गए। राज्य सरकार ने चौबीसों घंटे निगरानी करने वाला तंत्र स्थापित किया है और वितरकों के साथ बैठकें की हैं ताकि अस्पतालों और स्कूलों जैसे प्राथमिक क्षेत्रों में पर्याप्त एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

कमारहाटी नगरपालिका के पार्षद बिमल साहा को कतार में खड़े लोगों को गोबर के उपले वितरित करते देखा गया। उन्होंने इसे सिलेंडरों की कमी के विरोध में प्रतीकात्मक प्रदर्शन बताया। कथित एलपीजी आपूर्ति व्यवधान ने कोलकाता में अस्पताल की रसोई को प्रभावित करना शुरू कर दिया है, जिससे कई सरकारी और निजी स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को मरीजों के भोजन को निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए आकस्मिक उपाय अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। राज्य के कुछ हिस्सों में स्कूलों के मध्याह्न भोजन कार्यक्रम पर भी असर पड़ा है।

एक्सिस बैंक को नोटबंदी के दौरान नोट जमा करने से मना करने पर 3.19 करोड़ रुपये देने का आदेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने एक्सिस बैंक को दिल्ली स्थित प्रोकेयर लॉजिस्टिक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को 3.19 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है। आयोग ने बैंक को सेवा में कमी का दोषी ठहराया क्योंकि उसने 2016 के नोटबंदी के दौरान नोटों को जमा करने से मना किया था।

आयोग ने कंपनी की बैंक के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई की। आयोग में पीठासीन सदस्य एवीएम जे. राजेंद्र और न्यायिक सदस्य अनूप कुमार मेंदीरत्ता शामिल थे। आयोग ने 10 मार्च के आदेश में कहा कि बैंक ने बार-बार अनुरोध के बावजूद शिकायतकर्ता को अपने केवाईसी सत्यापित खाते में नोट जमा करने से रोक दिया और यह समस्या नोटबंदी की पूरी अवधि तक बनी रही। आयोग ने कहा कि बैंक के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं था कि वह ग्राहक के पैसे जमा करने से सीधे मना कर दे। यदि बैंक को पैसों पर कोई शक था, तो वह इसकी सूचना अधिकारियों को दे सकता था, लेकिन नोट स्वीकार करना बैंक की मुख्य जिम्मेदारी थी। बैंक द्वारा जमा करने से मना करना कंपनी को नोटबंदी के दौरान एकमात्र वैध अवसर से वंचित करने के बराबर था। इसके कारण कंपनी को नुकसान हुआ, क्योंकि जमा न किए गए नोट समय सीमा समाप्त होने के बाद बेकार हो गए। आयोग ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से सेवा में कमी के अंतर्गत आता है।

आयोग ने यह भी कहा कि खाते में जमा स्वीकार करना एक मूल बैंकिंग सेवा है और बैंक को कानून के अनुसार काम करना चाहिए। यदि कोई लेनदेन रोकना हो, तो उसका कारण स्पष्ट और नियमों के अनुसार होना चाहिए।

JSW स्टील मोजाम्बिक में कोकिंग कोयला खदान करेगी विकसित

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील अफ्रीकी देश मोजाम्बिक में कोयले की एक खदान (मिनास डी रेवुबोए) को विकसित करने जा रही है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। कंपनी के बयान के अनुसार यह काम अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा। यह खदान मोजाम्बिक के टेते प्रांत के मोआटाइज कोयला क्षेत्र में स्थित है। इस खदान में कुल 85 करोड़ टन कोयले का भंडार है, जिसमें से 25 करोड़ टन कोकिंग कोल निकल सकता है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि वह इस खदान को कई चरणों में विकसित करेगी। पहले चरण का विकास अगले लगभग ढाई साल में पूरा करने की योजना है। इसके बाद खदान से हर साल करीब 24 लाख टन उच्च गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले का उत्पादन किया जा सकेगा। यह परियोजना कंपनी की उस योजना का हिस्सा है जिसके तहत वह इस्पात बनाने के लिए जरूरी कच्चे माल की व्यवस्था खुद करना चाहती है। इससे इस्पात विनिर्माण में उपयोग होने वाले सबसे महत्वपूर्ण और महंगे कच्चे माल में से एक की लंबे समय तक स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होने की उम्मीद है। भारत में अच्छी गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले के भंडार बहुत कम हैं। इसलिए भारतीय इस्पात कंपनियों के लिए विदेशों में अपनी खदानों के माध्यम से कोयले की व्यवस्था करना जरूरी हो गया

'उद्योग' की परिभाषा पर 17 मार्च को सुनवाई करेगी उच्चतम न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की पीठ

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ 17 मार्च से औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत 'उद्योग' शब्द की परिभाषा के विवादास्पद मुद्दे पर सुनवाई शुरू करने वाली है। न्यायालय की 17 मार्च की कार्यसूची के अनुसार, इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ करेगी। इस पीठ में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भूयान, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली शामिल हैं।

इससे पहले 16 फरवरी को न्यायालय ने उन व्यापक मुद्दों को तैयार किया था, जिन पर इस पीठ को निर्णय लेना है। देश की सर्वोच्च न्यायालय को विचार करना है कि क्या 1978 के बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड मामले में न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर द्वारा 'उद्योग' को परिभाषित करने के लिए तय किए गए मानक सही हैं? साथ ही, पीठ यह भी देखेगी कि औद्योगिक विवाद

(संशोधन) अधिनियम, 1982 और औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 (जो 21 नवंबर, 2025 से प्रभावी है) का मूल अधिनियम में 'उद्योग' शब्द की व्याख्या पर क्या कानूनी प्रभाव पड़ता है।

पीठ द्वारा तय किए गए मुख्य मुद्दों में से एक यह है कि क्या सरकारी विभागों द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कल्याण कार्यों, योजनाओं या अन्य उद्यमों को औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 2(जे) के तहत "औद्योगिक गतिविधियां" माना जा सकता है। अदालत ने संबंधित पक्षों को 28 फरवरी तक अपनी लिखित दलीलें देने का मौका दिया था। नौ न्यायाधीशों की यह पीठ 17 मार्च को सुनवाई शुरू करेगी और इसे 18 मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि 2017 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी एस ठाकुर की अध्यक्षता वाली सात न्यायाधीशों की पीठ ने इस मुद्दे के गंभीर और व्यापक प्रभावों को देखते हुए इसे नौ न्यायाधीशों की पीठ को भेजने का निर्णय लिया था। इससे पहले मई 2005 में भी एक पांच न्यायाधीशों की पीठ ने इस मामले को बड़ी पीठ के पास भेज दिया था। यह कानूनी विवाद दशकों पुराना है। वर्ष 1996 में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सामाजिक वानिकी विभाग को 'उद्योग' माना था, लेकिन 2001 में दो न्यायाधीशों की पीठ ने अलग राय व्यक्त की, जिसके बाद मामला बड़ी पीठों के पास पहुंचता गया।

आदित्य धर ने मुझे 'धुरंधर 2' में रोल ऑफर किया था: अनिल कपूर

नई दिल्ली। अभिनेता अनिल कपूर ने कहा कि उन्हें आदित्य धर की आगामी फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' में अतिथि भूमिका की पेशकश की गई थी। अभिनेता ने स्वीकार किया कि यह उनका नुकसान है कि उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकराया। 'धुरंधरः द रिवेंज' धर की 2025 में रिलीज हुई फिल्म की सीक्वल है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी। इस फिल्म में रणवीर सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई थी, उनके साथ आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी थे। कपूर शुक्रवार को नयी दिल्ली में आयोजित 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जब धर ने उनसे संपर्क किया, तब तक वे अपनी शूटिंग की तारीखें एक अन्य फिल्म निर्माता को दे चुके थे। उन्होंने कहा, ''हां, आदित्य 'धुरंधर 2' के लिए मेरे पास आए थे। वे चाहते थे कि मैं फिल्म में एक छोटा सा कैमियो करूं। लेकिन आज मैं जो कुछ भी हूं, वह अपने पेशेवर रवैये और प्रतिबद्धता के कारण हूं।'' उन्होंने कहा, ''यह बहुत महत्वपूर्ण है - सिर्फ प्रतिभा से आप वो नहीं बन सकते जो आप हैं। उस समय, मैंने उन तारीखों को पहले ही एक अन्य फिल्म निर्माता को दे दिया था। मैंने आदित्य से कहा, 'मुझे यह कैमियो करना बहुत अच्छा लगता, लेकिन मैंने पहले से ही किसी और फिल्म के लिए हां कर दी है।' अब वो फिल्म रिलीज कर रहे हैं और यह एक शानदार फिल्म है। यह मेरा नुकसान है, लेकिन कोई बात नहीं।'' अभिनेता ने कहा कि वह फिल्म निर्माता के साथ काम करना चाहेंगे। धर की फिल्म 'धुरंधर' में कंधार विमान अपहरण, 2001 के संसद हमले और 26/11 मुंबई हमलों जैसी भू-राजनीतिक और आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित गुप्त खुफिया अभियानों को दिखाया गया है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और बी62 स्टूडियोज की ओर से निर्मित, 'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च को पांच भाषाओं - हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

तनुश्री दत्ता ने इंडस्ट्री को लेकर फिर साधा निशाना

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता एक बार फिर मनोरंजन जगत में होने वाले शोषण को लेकर अपने बयानों के कारण चर्चा में हैं। 'मी टू' आंदोलन के दौरान सुर्खियों में आईं तनुश्री ने हाल ही में इंडस्ट्री के अंदरूनी माहौल को लेकर गंभीर दावे किए हैं। उनका कहना है कि ग्लैमर की दुनिया में आने वाले कई नए कलाकारों को गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाता है और कई बार उन्हें मानसिक तथा शारीरिक शोषण का सामना करना पड़ता है। तनुश्री ने कहा कि इंडस्ट्री में अक्सर किसी के हैंडसम या सुंदर दिखने पर तुरंत उसकी तारीफ की जाती है, जबकि असली प्रतिभा पर कम ध्यान दिया जाता है। उनके अनुसार,नए कलाकारों को 'मीटिंग' के नाम पर कई बार गलत जगहों या गलत लोगों के पास भेजा जाता है, जिससे वे भ्रमित हो जाते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि बॉलीवुड में 'चॉकलेट' शब्द का इस्तेमाल कई बार महत्वाकांक्षा और बड़े सपनों के लालच के रूप में किया जाता है। उनका कहना है कि लगातार तारीफ मिलने पर कलाकार भरोसा करने लगते हैं और इसी भरोसे का फायदा उठाकर उन्हें बहकाया जाता है। उन्होंने नए कलाकारों को संयम बनाए रखने और सही-गलत की पहचान करने की सलाह दी। तनुश्री ने कहा कि जैसे बचपन में माता-पिता अजनबियों से सावधान रहने को कहते हैं।

राजकुमार राव, कीर्ति सुरेश अभिनीत फिल्म 'रफ्तार' 24 जुलाई को होगी रिलीज

नई दिल्ली। राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश अभिनीत 'रफ्तार' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की यह फिल्म ₹महत्वाकांक्षा, प्रेम और लालच की एक रोमांचक कहानी₹ बताई जा रही है। फिल्म का निर्देशन आदित्य निम्बालकर ने किया है। इसका निर्माण राव की पत्नी और अभिनेत्री पत्रलेखा ने कम्पा फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म निर्माताओं ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इसकी घोषणा की। पोस्ट में फिल्म का पोस्टर था, जिस पर फिल्म का शीर्षक लिखा हुआ था। कैप्शन में लिखा था, ₹महत्वाकांक्षा ने इसे बनाया है। लालच इसकी परीक्षा लेगा। फिल्म रफ्तार, 24 जुलाई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।₹ यह पहली बार है जब राव और सुरेश साथ में काम कर रहे हैं। फिल्म में अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर जैसे कलाकार भी शामिल हैं।

हिंदी फिल्में एक सी कहानियों पर आधारित होती हैं: प्रियदर्शन

नई दिल्ली। 'भूल भुलैया' और 'हेरा फेरी' जैसी सफल फिल्मों सहित 45 मलयालम और 25 हिंदी फिल्मों का निर्देशन कर चुके प्रियदर्शन का कहना है कि बॉलीवुड में किसी एक फिल्म के सफल हो जाने पर निर्देशक एवं निर्माता उसी प्रकार की फिल्में बनाने लगते हैं। प्रियदर्शन से साथ ही कहा कि उन्हें लगता है कि उनके पास कॉमेडी में अब कुछ नया करने को नहीं बचा है। मलयालम और बॉलीवुड फिल्म उद्योग में काम करने वाले निर्देशक प्रियदर्शन ने 'भाषा' को दिए साक्षात्कार में इन दोनों उद्योगों के बीच मूलभूत अंतर पर बात की।

प्रियदर्शन ने कहा, हिंदी सिनेमा की एक पुरानी आदत है जो वर्षों से बरकरार है...उन दिनों से लेकर, जब कहानियां भाइयों के बिछड़ने और सालों बाद फिर मिलने के इर्द-गिर्द घूमती थीं। अब भी हिंदी फिल्मों में यदि कोई फिल्म सफल हो जाती है तो हर निर्माता उसी तरह की फिल्में बनाने की कोशिश करता है। दर्शकों के उनसे ऊब जाने पर कोई नयी कहानी लेकर आता है। इसके बाद फिर सभी उसी तरह की फिल्मों के पीछे भाग पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि लेखकों एवं निर्देशकों को निर्माताओं और अभिनेताओं सहित कई लोगों के विचारों को सुनना पड़ता हैं जिससे वे वह बनाने के लिए मजबूर हो जाते हैं जो दूसरे चाहते हैं। उन्होंने मलयालम सिनेमा की मुख्य समस्या बताते हुए कहा, "मलयालम फिल्मों में फिल्म निर्माताओं के पास बजट बहुत कम होता है। पैसा नहीं होने के कारण हम फिल्म की कहानी पर भरोसा करते हैं।" हिंदी में 'हलचल', 'खट्टा मीठा' और 'चुप चुप के' जैसी यादगार कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक की एक और हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' रिलीज होने वाली है। निर्माताओं के दखल से निपटने संबंधित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं हमेशा अपनी बात पर अड़ा रहता हूं और कहता हूं कि मैं इसे इसी तरह करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, ''अभिनेताओं को मुझसे कोई दिक्कत नहीं होती। मैंने सबके साथ काम किया है और मैं बहुत सहज रहता हूं।'' 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव और दिवंगत असरानी शामिल हैं।

सिनेमाघरों में 10 अप्रैल को प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर की 'बालाजी मोशन पिक्चर्स' और अक्षय कुमार की 'केप ऑफ गुड फिल्म्स' ने किया है। यह फिल्म प्रियदर्शन की 2021 में आई 'हंगामा 2' के बाद पहली हिंदी फिल्म है। उन्होंने कई तमिल फिल्मों का भी निर्देशन किया है। प्रियदर्शन पिछले तीन दशकों में हिंदी सिनेमा के सबसे सफल हास्य निर्देशकों में से एक रहे हैं। उनका मानना है कि 'कॉमेडी' सबसे चुनौतीपूर्ण शैली है। उन्होंने कहा, "किसी को रुलाना या दुखी करना तो आसान है लेकिन किसी को दिल से हंसाना सबसे मुश्किल काम है।" प्रियदर्शन ने बताया, "मैं दोहरे अर्थ वाली कॉमेडी में विश्वास नहीं करता। ऐसी फिल्में बननी चाहिए जिन्हें परिवार बिना झिझक के एक साथ बैठकर देख सके इसलिए मैं ज्यादातर ऐसी ही फिल्में बनाता हूं। कॉमेडी फिल्में बनाना और नयी परिस्थितियां गढ़ना सबसे चुनौतीपूर्ण काम है। मुझे लगता है कि मैं लगभग थक चुका हूं क्योंकि अब कुछ नया बचा ही नहीं है।